● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 48, पृष्ठ : 08, सीधी, शनिवार , 22 मार्च 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

हक की बात, बुलंदी के साथ

विन्ध्य टाइगर

अखिलेश बिहार में तेजस्वी को देंगे समर्थन 5

विराट कोहली के गिफ्ट का कमाल 6

औद्योगिक विकास में चंबल क्षेत्र लिख रहा है सुनहरा अध्याय : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने मालनपुर में एक हजार करोड़ रूपए लागत की एलिक्सर इंडस्ट्रीज की आधुनिक मेगा इकाई का किया भूमि-पूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक विकास का जो सपना देखा है, चंबल क्षेत्र उसमें सुनहरा अध्याय लिख रहा है। चंबल की भूमि उपजाऊ है, कमाऊ है, साथ ही टिकाऊ भी है। चंबल जैसा टिकाऊ जज्बा और कहीं देखने को नहीं मिलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को भिण्ड जिले के मालनपुर में एक हजार करोड़ रूपए की लागत से एलिक्सर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की आधुनिक मेगा इकाई का भूमि-पूजन करते हुए यह बात कही। इस मौके पर रेडीमेड गारमेंट ग्वालियर की 7 इकाईयों और मुरैना जिले के औद्योगिक क्षेत्र पिपरसेवा की 11 इकाईयों का भी भूमिपूजन किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चंबल अब विकास के नाम से पहचाना जाता है। इस क्षेत्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सोच और प्रदेश सरकार के संकल्प के कारण अनेक औद्योगिक इकाईयां प्रारंभ हुई हैं। इन औद्योगिक इकाईयों के प्रारंभ होने से बेरोजगार युवकों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना सिंह भदौरिया, राष्ट्रीय अनुसूचित जातिआयोग के अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य, विधायक गोहद श्री केशव देसाई, लहार विधायक श्री अम्बरीश शर्मा, श्री देवेन्द्र सिंह नरवरिया एवं एलिक्सर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमेन श्री अरुण गोयल सहित क्षेत्रीय जन-प्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर कार्यक्रम में वर्चुअलउपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिये हर संभव कार्य किया जा रहा है। इन्वेस्टर्स समिट व रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव से न केवल देश बल्कि विदेशों से भी इन्वेस्टर्स को आमंत्रित करने का कार्य किया गया है, जिसके सार्थक परिणाम भी परिलक्षित हो रहे हैं। ग्वालियर-चंबल संभाग में भी अनेक औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही हैं, जिनके माध्यम से ग्वालियर-चंबल संभाग के युवाओं को बेहतर रोजगार उपलब्ध होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ ही किसानों के हित में भी अनेक निर्णय लिए गए हैं। चंबल-कालीसिंध-पार्वती (पीकेसी) लिंक परियोजना क्षेत्र में खुशहाली लेकर आयेगी। इस परियोजना से चंबल को सर्वाधिक लाभ प्राप्त होगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री एवं भिण्ड जिले के प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि चंबल क्षेत्र औद्योगिक रूप से विकसित हो रहा है। यह हम सबके लिये प्रसन्नता की बात है। औद्योगिक विकास से न केवल क्षेत्र का आर्थिक विकास होगा, बल्कि यहां के युवाओं को बेहतर रोजगार भी उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से मालनपुर में एक हजार करोड रूपए के निवेश से जो नई इकाई प्रारंभ हो रही है, वह इस क्षेत्र के विकास में नया अध्याय लिखेगी। ग्वालियर-चंबल संभाग के साथ-साथ सम्पूर्ण प्रदेश में औद्योगिक विकास का बेहतर माहौल बना है, जिसके सार्थक परिणाम हमें सम्पूर्ण प्रदेश में दिखाई दे रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को ग्वालियर-चंबल संभाग के औद्योगिक विकास के लिये धन्यवाद दिया।

भारत ने हासिल किया एक बिलियन टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक मुकाम

प्रधानमंत्री मोदी ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी जाहिर की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत के एक बिलियन टन कोयला उत्पादन के महत्वपूर्ण लक्ष्य को पार करने की उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने इसे देश की ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कोयला क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारत की ऊर्जा स्थिरता और सतत विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, भारत के लिए गर्व का क्षण! एक बिलियन टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक मुकाम पार करना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। जो हमारी ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह उपलब्धि इस क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री गिरीश किशन रेड्डी ने भी इस उपलब्धि की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को श्रेय दिया, जिसने इस क्षेत्र में तकनीकी उन्नति को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों और कुशल खनन प्रक्रियाओं को अपनाकर, भारत ने न केवल कोयला उत्पादन को बढ़ाया है, बल्कि सतत और जिम्मेदार खनन को भी प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा, यह महत्वपूर्ण उपलब्धि भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देगी, देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करेगी और सभी नागरिकों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

कोयला मंत्रालय द्वारा पिछले महीने जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत दुनिया में पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार रखने वाला देश है और दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। कोयला देश की राष्ट्रीय ऊर्जा खपत का 55त्न योगदान देता है और ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक अनिवार्य संसाधन बना हुआ है। भारत में 74% बिजली उत्पादन थर्मल पावर प्लांट्स से होता है, जिससे कोयला क्षेत्र की मजबूती आवश्यक हो जाती है। दिसंबर 2024 में कोयला उद्योग की विकास दर 5.3% दर्ज की गई, जो भारत की आठ प्रमुख उद्योगों में सबसे अधिक थी।

अपने निर्वाचन क्षेत्र में सभी नागरिकों की स्वास्थ्य जांच कराएं सांसद: नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा में सभी सांसदों से अपील की कि वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में रहने वाले सभी नागरिकों की हर साल स्वास्थ्य जांच होना सुनिश्चित करें। नड्डा ने कहा कि सरकार ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत 30 साल के सभी नागरिकों की स्वास्थ्य जांच कराने का अभियान शुरू किया है। इन मुफ्त चेकअप के दौरान लोगों के ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों की जांच की जाएगी।

जेपी नड्डा ने कहा कि जब से यह अभियान शुरू हुआ है, तब से 35 करोड़ लोगों की जांच की जा चुकी है। इनमें से 4.2 करोड़ लोग हाइपरटेंशन से पीड़ित मिले हैं। वहीं 2.6 करोड़ लोगों में डायबिटीज के लक्षण मिले हैं। जेपी नड्डा ने बताया कि 29 करोड़ लोगों की कैंसर की जांच की गई है, इनमें से 1.18 करोड़ लोगों में कैंसर का पता चला है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मैं आप सभी से अपील करता हूं कि अपने निर्वाचन क्षेत्र में हर साल नागरिकों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य जांच का आयोजन कराएं। उन्होंने कहा कि आज देश में 372 डे केयर सेंटर, 19 राज्य कैंसर सेंटर और 22 क्षेत्रीय कैंसर सेंटर संचालित हो रहे हैं। सभी एम्स में कैंसर केयर सेंटर हैं, जहां सभी आधुनिक जांच उपकरण मौजूद हैं। हरियाणा के झज्जर में मौजूद सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, दुनिया के सबसे अच्छे कैंसर अस्पतालों में से एक है। बजट में की गई घोषणा के मुताबिक सरकार हर जिले में कैंसर डे केयर सेंटर बनाएगी, जहां कीमोथेरेपी की सुविधा भी मिलेगी।

आरएसएस की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक शुरू

बंगलूरू। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक बंगलूरू में आज से शुरू हो गई है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने इस बैठक का उदघाटन किया। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, संघ की निर्णय लेने की सर्वोच्च संस्था है। संघ के मुख्य प्रवक्ता सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक के दौरान बांग्लादेश और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह को लेकर प्रस्ताव पारित किया जाएगा। संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में मणिपुर के हालात पर भी चर्चा होगी।

तेल खरीद पर भारत का बड़ा कदम

अमेरिका के दबाव के बावजूद राष्ट्रीय हित को रखा सबसे ऊपर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय तेल खरीद पर भारत का फैसला विभिन्न कारकों पर आधारित है, जिनमें देश का राष्ट्रीय हित सबसे ऊपर हैं। राज्यसभा में विदेश मंत्रालय से पूछा गया, क्या यह सच है कि अमेरिका ने भारत को रूस से तेल नहीं लेने के लिए कहा है व इसके लिए समय सीमा तय की है। इसके जवाब में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि अमेरिका ने 14 जनवरी को ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित 400 से अधिक रूसी संस्थाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों के बारे में सूचित किया है। विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने जवाब में बृहस्पतिवार

को बताया कि मंत्रालय को अमेरिका ने 14 जनवरी को ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित 400 से अधिक रूसी संस्थाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों के बारे में सूचित किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय की ओर से घोषित प्रतिबंध के दायरे में बड़ी तेल कंपनियों व उनकी सहायक कंपनियों को भी लाया गया है। इस दायरे में एलएनजी टर्मिनलों, बीमा कंपनियों, तेल व्यापारियों, तेल जहाजों और तेल क्षेत्र सेवाओं प्रदाताओं को भी रखा गया है।

इसके साथ ही सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय तेल खरीद पर सरकार राष्ट्रीय हितों व प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय करती है। भारतीय तेल व्यापारियों, तेल क्षेत्र सेवा प्रदाताओं व बीमा कंपनियों को प्रभावित करने वाले किसी भी प्रावधान के बारे में हितधारकों को संवेदनशील बनाने के लिए कदम पहले ही उठाए जा चुके हैं।

हमारा जीवन वनों से ही संभव है : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा जीवन वनों से ही संभव है। प्रदेश की वन भूमि जैव विविधता और हरियाली से परिपूर्ण है। वन, शुद्ध हवा के लिए पृथ्वी के फेफड़ों के समान है। प्रदेश की भूमि असंख्य वन्य जीवों का आश्रय स्थल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को विश्व वानिकी दिवस पर वनों के संरक्षण की प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रदेशवासियों से वनों के संरक्षण और उनके संवर्धन का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे रोपने का संकल्प लेने का भी प्रदेशवासियों से आव्हान किया।

कर्नाटक विधानसभा में बवाल

18 विधायक छह महीने के लिए निलंबित

बंगलूरू। कर्नाटक विधानसभा में शुक्रवार का दिन हंगामे के नाम रहा। हनी ट्रैप और मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण को लेकर सदन में भाजपा विधायकों ने जमकर नारेबाजी की। इसी क्रम में कर्नाटक विधानसभा में विरोध प्रदर्शन कर रहे 18 भाजपा विधायकों को अनुशासनहीनता के आरोप में तत्काल प्रभाव से छह महीने के लिए निलंबित कर दिया। जिसके बाद मार्शलों ने उन्हें जबरन सदन से बाहर निकाला। कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने यह कार्रवाई विधानसभा की कार्यवाही में बाधा डालने वाले विधायकों के खिलाफ की। आरोप है कि विधानसभा में हंगामा कर रहे भाजपा विधायकों ने न सिर्फ अध्यक्ष के आदेशों की अवहेलना की बल्कि अनुशासनहीन तथा अपमानजनक तरीके से व्यवहार भी किया।

जिसके बाद कर्नाटक के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच.के. पाटिल ने उनके निलंबन के लिए विधानसभा में प्रस्ताव रखा, जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा की कार्यवाही में बाधा डालने के लिए 18 भाजपा विधायकों को छह महीने के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव पारित किया।

दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है : योगी

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत में नए नेतृत्व के उदय के साथ ही अब दुनिया नये भारत की बात करने लगी है। अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है। ये सिर्फ एक दशक पहले की ही बात है। उत्तर प्रदेश और भारत के लोग दुनिया में कहीं जाते थे तो खुद को भारतीय कहने पर थोड़ा संकोच करते थे पर अब गर्व से खुद को भारतीय कहते हैं क्योंकि दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। इसी तरह यूपी के लोग कहीं बाहर जाने पर खुद को उत्तर प्रदेश का बताने पर संकोच करते

थे पर अब वो गर्व से खुद को उत्तर प्रदेश का नागरिक बताते हैं। सीएम योगी शुक्रवार को अयोध्या के राजसदन में दो दिवसीय साहित्य उत्सव टाइमलेस अयोध्या का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मैं एक बार यूरोप गया था और वहां पर घूमने निकला और एक टैक्सी पर बैठा। मुझे टैक्सी वाला भारत का निवासी लगा। मैंने पूछा कि कहां के हो तो उसने कहा पंजाब का। मैंने पूछा पंजाब में कहां से तो चुप हो गया... फिर बताया कि पाकिस्तान से हैं। उसने मुझे बताया कि भारत का बताने पर हम यहां पर सेफ महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि ये भारत की ताकत है।

यहां से मुख्यमंत्री योगी रामकथा पार्क पहुंचे और मुख्यमंत्री उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत आयोजित स्टार्टअप प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस मौके पर उन्होंने युवाओं को 47 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया और उनसे उद्यम अपनाने की अपील की।

किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं : प्रवेश

नई दिल्ली। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया है। उन्होंने पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र में नालों और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें खामियां दिखीं। जिसे लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने यहां के कार्यकारी अभियंता को निलंबित करने का आदेश दे दिया।

प्रवेश वर्मा ने कहा, नालियों की सफाई करना पीडब्ल्यूडी का काम है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं हो रहा है। इसलिए मैंने यहां के एक्सईएन (कार्यकारी अभियंता) को निलंबित करने का आदेश दिया है। सभी अधिकारियों को साफ तौर पर कहा गया है कि अगर वे ठीक से काम नहीं करेंगे तो कार्रवाई की जाएगी। हम अपनी राजधानी दिल्ली को ऐसे ही नहीं छोड़ सकते। उन्होंने कहा, दिल्ली में पूरी व्यवस्था ध्वस्त होने के कगार पर थी। लेकिन भाजपा सरकार अब सड़कों पर उतर आई है और मंत्री घंटों फील्ड विजिट कर रहे हैं।

आप ने संगठन में किया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की बैठक हुई। इसमें संगठन को मजबूत करने पर फैसला लिया गया। चार राज्यों में प्रभारी बनाने पर सहमति हुई। गुजरात में गोपाल राय प्रभारी, दुर्गेश पाठक सह प्रभारी, गोवा में पंकज गुप्ता प्रभारी, पंजाब में मनीष सिसोदिया प्रभारी और सतेन्द्र जैन सह प्रभारी, छत्तीसगढ़ के लिए संदीप पाठक प्रभारी बनाए गए हैं। दिल्ली का अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और जम्मू कश्मीर के लिए मेहराज मलिक को जिम्मेदारी दी गई है। आप सांसद संदीप पाठक ने कहा, आज पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में कई फैसले लिए गए। गोपाल राय को गुजरात का प्रभारी बनाया गया है।

धान मिलिंग तथा फर्जी खरीदी में 74 व्यक्तियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज

जबलपुर। जिले में 46 करोड़ रुपये के धान घोटाले का बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें 17 मिलर्स, एमपीएससीएससी के 13 कर्मचारी और 44 उपार्जन केंद्र कर्मचारी सहित 74 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

कलेक्टर दीपक सक्सेना के अनुसार अंतर जिला मिलिंग के लिए मिलर्स द्वारा उठाई गई धान स्थानीय दलालों को बेचे जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसकी जांच के लिए चार सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी ने जांच में पाया कि लगभग 14 हजार मीट्रिक टन धान के डीओ जारी किए गए थे। जिन वाहनों से धान की सप्लाई गई थी, उनके रजिस्ट्रेशन के संबंध में मिलर्स, एमपीएससीएससी तथा सोसायटी व उपार्जन केंद्र से जानकारी मांगी गई थी। धान की सप्लाई वाहनों से 614 ट्रिप में हुई थी। धान सप्लाई में लगे वाहनों के टोल टैक्स से निकलने के संबंध में एनएएचआई से जानकारी एकत्र की गई।

एनएचएआई की तरफ से कमेटी को बताया गया कि उक्त रजिस्ट्रेशन के 571 ट्रिप वाहन टोल टैक्स से निकले हैं। इसमें से 307 ट्रिप निकलने वाले वाहन कार या बहुत कम लोडिंग क्षमता के वाहन हैं। इसके अलावा रजिस्ट्रेशन नम्बर भी फर्जी हैं। इस तरफ मिलिंग के लिए उठाई गई लगभग 13 हजार मीट्रिक टन धान का घोटाला किया गया है, जिसका मूल्य लगभग 30 करोड़ रुपये है। इसके अलावा जांच के दौरान पाया गया कि 7200 मीट्रिक टन धान की फर्जी खरीदी ऑन लाइन पोर्टल में दर्ज की गई है।

आतंकवाद, नक्सलवाल और उग्रवाद नासूर : शाह

राज्यसभा में शाह बोले-ये हमे विरासत में मिले, हमने मुकाबला किया, दस साल में बहुत कुछ बदला

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद पर करारा हमला बोलते हुए सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति का जिक्र किया। उन्होंने अनुच्छेद 370 समेत तमाम मुद्दों पर कांग्रेस समेत विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि चार दशक से देश में तीन नासूर थे, पहला- आतंकवाद, दूसरा- नक्सलवाद और तीसरा- पूर्व उग्रवाद। हमने आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई। अमित शाह ने कहा कि मैं इस सदन में जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि इस देश में नक्सलवाद 21 मार्च 2026 तक समाप्त हो जाएगा।

अमित शाह ने कहा, 21 सदस्यों ने सदन में अपने विचार रखे। एक तरह से गृह मंत्रालय के अनेक कार्यों के आयामों को समेटने का प्रयास किया गया। सबसे पहले मैं उन हजारों राज्य पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ सीमाओं को मजबूत करने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

सरकार के विकास कार्य गिनाते हुए शाह विपक्ष पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि जो काला चश्मा पहनकर आंखें मूंदकर बैठे हैं, उनको विकास के नजारे नहीं दिखाए जा सकते। एक सांसद कश्मीर गए। वहां कार्यकर्ताओं

के साथ बर्फ के साथ खेले भी। उन्होंने कहा कि उन्हें दूर से आतंकी दिखाई दिया। आगे उन्होंने कहा कि नजर में ही आतंकी है तो आपको सपने में भी वही आएगा। हम तो दिखाई देते ही दो आंखों के बीच में गोली मारते हैं। हमारी सरकार न तो आतंक को बर्दाश्त कर सकती है और न ही आतंकियों को। आतंकियों के लिए देश में कोई जगह नहीं है।

अमित शाह ने कहा, ...जब 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार सत्ता में आई, तो हमें 2014 से पहले की कई विरासत की समस्याएं मिलीं। इस देश की सुरक्षा और विकास को हमेशा तीन मुख्य मुद्दों के कारण चुनौती दी गई। इन तीन मुद्दों ने देश की शांति में बाधा उत्पन्न की, देश की सुरक्षा पर सवाल उठाए और लगभग 4 दशकों तक देश के विकास की गति को बाधित किया। उन्होंने देश की पूरी व्यवस्था को भी कई बार हास्यास्पद बना दिया। ये तीन मुद्दे थे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद, तिरुपति से पशुपतिनाथ तक का सपना दिखाने वाला वामपंथी उग्रवाद और पूर्वोत्तर में उग्रवाद। यदि आप इन तीनों मुद्दों को एक साथ जोड़ दें, तो इस देश के लगभग 92,000 नागरिक 4 दशकों में मारे गए। इन तीनों मुद्दों के उन्मूलन के लिए कभी भी सुनियोजित प्रयास नहीं किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता में आने के बाद ये प्रयास किए।

राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, सबसे पहले मैं कश्मीर के बारे में बात करूंगा। पड़ोसी देश से आतंकवादी कश्मीर में घुस आते थे, वे यहां बम विस्फोट और हत्याएं करते थे। ऐसा कोई त्योहार नहीं था, जो बिना किसी चिंता के मनाया जाता था। केंद्र सरकारों का रवैया लचीला था। वे चुप रहते थे और बोलने से डरते थे। उन्हें अपने वोट बैंक की चिंता थी। पीएम मोदी के सत्ता में आने के बाद हमने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई।

सरई एवं चितरंगी तहसील के बगदरा अंचल में बारिश के साथ ओलावृष्टि

दलहन, तिलहन फसलों के अलावा आम के बौर व महुआ फूल को नुकसान

सिंगरौली

जिले के सरई एवं चितरंगी तहसील क्षेत्र के बगदरा अंचल में ओलावृष्टि हुई है और क्षेत्र में जमकर बारिश हुई है। इस ओलावृष्टि से रबी फसल, दलहनी, तिलहनी फसलों को भारी नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। वही बैढ़न इलाके में आसमान में घनघोर बादल मड़रा रहे थे और चमक गरज, बूंदाबांदी का दौर जारी था।

गौरतलब है कि जिले में पिछले 48 घंटे से मौसम ने करवट बदला है। बुधवार एवं गुरूवार की रात व शाम के वक्त बैढ़न अंचल सहित कई हिस्सों में बूंदाबांदी हुई थी। लेकिन गुरूवार एवं शुक्रवार की मध्य रात करीब 2 से 3 बजे की बीच तेज तूफान, चमक गरज के साथ करीब 15 मिनट तक बारिश हुई है। वही सुबह 9 बजे भी बूंदाबांदी होने से रबी फसल दलहन, तिलहन फसलों को नुकसान होने का अनुमान जताया जा रहा है। साथ ही आम के बौर, महुआ फूल को भी काफी नुकसान होने का अंदेशा जताया जा रहा है। इधर

आज पूरे दिन सूर्य देवता के दर्शन भी नही हुये। आसमान में काले बादल मड़रा रहे थे और शाम ढलते ही चितरंगी तहसील के बगदरा अंचल, कुलकवार, लोहदा, बगदरा सहित आसपास के गांव में तेज तूफान बारिश हुई और साथ में 10 ग्राम वजन के ओले भी गिरे। इस ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान हुआ है। साथ ही आम के बौर व महुआ फूल झड़ गये हैं। वही चितरंगी क्षेत्र के सोनतीर इलाका फुलकेश, गांगी, खैरा, चिकनी, हरमा, माची, बिछी, नौडिहवा, तमई, क्योटली, खैडार, बरवाडीह सहित कई गांव में तूफान के साथ मूसलाधार बारिश इस तरह हुई की जैसे भादौमास में बारिश होती है। बेमौसम बारिश व तूफान से अन्नदाताओं की चिंताएं बढ़ गई हैं। वहीं किसानों का मानना है कि बेमौसम बरिश व तूफान तथा ओलावृष्टि से फसलों को भारी क्षति हुई है और किसानों में हाये तौबा मच गई है।

सरई अंचल में ओले ने मचाई तबाही

समूचे जिले में मौसम ने बदलाव आया है। बताया जाता है कि बरका, सरई, झारा इलाके में तेज बारिश के साथ बन्टी के आकार के ओले भी गिरे हैं। इस ओले के गिरने एवं बारिश होने से फसलों में भारी नुकसान हुआ है। वही देवसर क्षेत्र में रूक-रूक कर दो दिनों से बारिश का दौर जारी है। जिससे फसलों को भारी नुकसान हुआ है। वही बगदरा अंचल में तेज बारिश व ओले गिरे हैं और सोनतीर इलाके में भारी बारिश हुई है।

चितरंगी अंचल में रूक-रूक कर हो रही तेज बारिश

चितरंगी तहसील क्षेत्र में मौसम के बदलाव के बाद बीते दिन गुरूवार से ही रूक-रूक कर बूंदाबांदी का दौर चलता रहा। वही रात में और आज शाम को भी तेज बारिश ने खलिहानों में रखी फसलों को नुकसान पहुंचाई है। साथ ही आज दिन शुक्रवार को भी बूंदाबांदी का दौर चलता रहा। खैरा गांव के कृषक हजारी केवट, कैलाश कोईरी, जसी कोल, फुलकेश गांव के सुखसैन ने बताया कि इस बेमौसम बारिश का असर रबी व दलहनी-तिलहनी फसल पर व्यापक तौर पर हुआ है। अब खलिहान में रखे फसलों के सड़ने का डर सता रहा है।

इनका कहना है

बगदरा अंचल में बारिश होने एवं ओले गिरने की जानकारी मैदानी अमले से मिली है। कल शनिवार को सर्वे कराया जाएगा। सर्वे के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जावेगी।

ऋषिनारायण सिंह
तहसीलदार, चितरंगी

भारतीय जनता पार्टी की बहुप्रतीक्षित मंडलों की कार्यकारिणी का गठन प्रारंभ

पहने दिन खुटार, माड़ा, लंघाडोल एवं बगैया मंडल की सूची जारी

सिंगरौली। भारतीय जनता पार्टी सिंगरौली के 21 मंडलों की कार्यकारिणी का गठन प्रारंभ हो गया हैं प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा संभागीय प्रभारी रणबीर सिंह रावत तथा जिला संगठन प्रभारी प्रज्ञा त्रिपाठी की अनुशंसा तथा जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह के अनुमोदन पश्चात मंडल अध्यक्षों ने अपनी कार्यकारिणी घोषित कर दी है। जिन मंडल अध्यक्षों ने अपनी कार्यकारिणी घोषित की है उसमें खुटार मंडल अध्यक्ष मनोज शाह ने जयप्रकाश वैश्य, अनीता सिंह खैरवार, रामलल्लू शाह, महेंद्र कुमार पाण्डेय, रेनू साकेत, सीता शरण शाह को उपाध्यक्ष तथा अरविंद कुमार बसोर एवं अनिल कुमार दुबे को महामंत्री तथा कुंज बिहारी शाह, रीना शाह, विजय कुमार गुप्ता, देव नारायण शाह, साधना भारती, जान्हवी गोस्वामी को मंत्री तथा पवन कुमार शाह को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया है। माड़ा मंडल

अध्यक्ष भागवत जायसवाल ने जयप्रकाश पाल, संजू साकेत, महेंद्र वैश्य, रमाकांत यादव, कमलेश सिंह चौहान, बरमदेव जातसवाल को उपाध्यक्ष तथा रमेश कुमार शाह एवं सुरेश कुमार पनिका को महामंत्री तथा अंशू साकेत, फूल कुमारी जायसवाल, पूजा पनिका, अमित कुमार शाह, बबुआ राम वैश्य, पंकज पाल को मंत्री तथा संगीता विश्वकर्मा को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया है।लंघाडोल मंडल अध्यक्ष केडी वैश्य ने रमेश कुमार, कविता शाह, विजय कुमार शर्मा, लालजी शाह, प्रकार चंद्र जायसवाल, प्रदीप कुमार शाह को उपाध्यक्ष तथा भगवान सिंह एवं कृष्णाराम पाल को महामंत्री तथा राम जन्म यादव, सत्य कुमार पटेल, चंद्रकला वैश्य, हितवरिया सिंह, नीतू सिंह, सुंदरनिंया साकेत को मंत्री तथा गेंदालाल पनिका को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है।बगैया मंडल अध्यक्ष रामलल्लू सिंह ने कौशल्या गुर्जर, मनचन्द शाह, इंद्रगोपाल सिंह, रामचंद्र वैश्य, एवं श्रीमती शैल सिंह को उपाध्यक्ष तथा राजेंद्र प्रसाद वैश्य एवं राधेश्याम गुर्जर को महामंत्री एवं बालकराम वैश्य, उर्मिला यादव, अनिल कुमार दुबे, परसोत्तम सिंह, प्रेमिका देवी साकेत, राजकुमारी सिंह को मंत्री तथा हीरामन सिंह को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है।इसके अतिरिक्त प्रत्येक मंडल में 16 कार्यकारिणी सदस्य भी मनोनीत किए गये हैं।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को माड़ा पुलिस ने तत्काल पहुंचाया अस्पताल

सिंगरौली। कभी-कभी सही व्यवस्थाओं के लिए इंतजार करना कितना भारी पड़ सकता है। इसका अंदाजा वही व्यक्ति लगा सकता है जिसके जान पर बनी हो या फिर वो जो सदैव निस्वार्थ भाव से जन सेवा में लगा हो। मामला शुक्रवार शाम सिंगरौली जिले के मा?ा थाना क्षेत्र के असनी चौराहे का है, जहां करीब शाम 5=15 बजे मोटरसाइकिल और पिकअप की सीधी भिड़ंत हो गई। पिकअप चालक जहां दुर्घटना के बाद फरार हो गया, वहीं मोटरसाइकिल सवार शिवप्रसाद साकेत पिता सरजू साकेत उम्र 47 वर्ष निवासी

समय रहते इलाज मिलने से बच सकी जान

सखौहा बुरी तरह जख्मी हो गया। उसके सर पर गंभीर चोटें लगी थी। बताया जाता है कि वह माड़ा से अपने आवास ग्राम असनी जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने डायल 108 की मदद से एंबुलेंस को सूचना दी। साथ ही माड़ा थाने को भी दुर्घटना की जानकारी दी। इसके बाद लोगों ने घायल व्यक्ति को मृत मान बैठा। इसी बीच तत्परता दिखाते हुए माड़ा थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा स्वयं घटनास्थल पहुंचे और उन्होंने लोगों की बातों को दरकिनार करते हुए एंबुलेंस का इंतजार करने की बजाय खुद के वाहन में घायल को डाला और बिना समय गवाए खुटार अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने बताया कि घायल व्यक्ति की सांसे चल रही है और उसे सही समय अस्पताल में लाया गया। चिकित्सकों ने बताया कि यदि जरा सी भी और देर होती तो घायल को बचाना मुश्किल होता। फिलहाल शिवप्रसाद साकेत का इलाज जारी है। और लोग इस तत्परता के लिए निरीक्षक शिवपूजन मिश्रा की तारीफ कर रहे हैं।

ओबी कंपनी अमलोरी में हादसा, हेल्फर की मौत

सिंगरौली। एनसीएल परियोजना अमलोरी के एक ओबी कंपनी में कार्य कर रहे एक हेल्फर की हादसे में मौत हो गई। हेल्फर की किस वाहन की टक्कर से मौत हुई। इस बात का स्पष्ट पता नही चल पाया है। घायल अवस्था में हेल्फर को बैढ़न स्थित एक निजी नर्सिंग होम वंदना हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। जहां उसकी मौत हो गई। कोतवाली पुलिस बैढ़न से मिली जानकारी के अनुसार संतोष कहांर पिता नजागीर कहांर उम्र 36 वर्ष निवासी घोरौलीकला बतौर हेल्फर की रूप में एक ओबी कंपनी में कार्य कर रहा था कि आज उक्त खदान के ओबी में कार्य करते वक्त किसी वाहन से दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

पुलिस ने नाबालिक बालिका को आरा बिहार से किया दस्तायाब

सिंगरौली। निवास पुलिस चौकी इलाके से एक बालिका लापता हो गई थी। जहा बालिका के परिजनो की शिकायत पर पुलिस ने गुम सुदगी का मामला कायम कर विवेचना मे लिया था।पुलिस ने साइबर सेल की मदद से आरा बिहार से बालिका को दस्तायाब किया है। मप्र शासन व पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा महिलाओ व बच्चो के विरूध्द होने वाली घटनाओ मे शीघ्र एव प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देश जारी किया गया है। एवं पुलिस मुख्यालय भोपाल से महिलाओ , बालक एव बालिका की त्वरित दस्तयाबी हेतु आपरेशन मुस्कान अभियान चलाया जा रहा है। जिसको दृष्टिगत रखते हुये पुलिस

मुख्यालय द्वारा चलाये जा रहे है आपरेशन मुस्कान अभियान पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देशो के पालन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के कुशल मार्गदर्शन मे एसडीओपी देवसर राहुल सैयाम व थाना प्रभारी जीतेन्द्र सिंह भदौरिया के सतत निगरानी मे चौकी प्रभारी निवास उपनिरी. प्रियंका सिंह के नेतृत्व मे पुलिस टीम द्वारा नाबालिक बालिका को दस्तायाब कर परिजनो को किया गया सुपुर्द । जानकारी मे बताया गया कि चौकी निवास थाना सरई का अपराध क्र. 144/25 धारा 137(2) बीएनएस दिनाक 01/03/25 को कायम किया जाकर विवेचना मे लिया गया कायमी दिनाक से अपहृता की निरंतर पता तलाश की गई अपहृता के दस्तयावी हेतु दिनाक 17 मार्च को पुलिस अधीक्षक द्वारा 10 हजार रूपये नगद पुरस्कार की घोषणा की गई थी। चौकी निवास पुलिस टीम साइवर सेल की मदद से वरिष्ठ अधिकारियो के दिशा निर्देश पर अपहृता बालिका को आरा रेल्वे स्टेशन के सामने जिला आरा बिहार से दस्तायाब किया गया अपहृता बालिका को दस्तायाब कर परिजनो को सकुशल सुपुर्द किया गया । उक्त कार्यवाही मे चौकी प्रभारी निवास उप.निरी प्रियंका सिह सउनि दीपनारायण प्रआर ज्ञानेन्द्र सिंह, आर. प्रभात कुमार दुबे, आर. विट्ठू सिंह चौकी निवास सायबर सेल का सराहनीय योगदान रहा ।

फर्जी डॉक्टर पकड़ाया, बिना डिग्री के कर रहा था इलाज, मरीज की मौत के बाद गिरफ्तार

सिंगरौली। अगर किसी डॉक्टर के पास आप इलाज कराने जा रहे हैं तो उसके बारे में पता कर लें। कहीं ऐसा न हो कि जिससे आप इलाज कराने गए हैं। वह डॉक्टर आपको ठीक करने बजाय आपको और ज्यादा बीमार कर दे क्योंकि इस समय बहुत सारे डॉक्टर बीएचएमएस की पढ़ाई कर एलोपैथिक दवाइयां और चिकित्सा उपकरण के साथ इलाज कर रहे हैं। इसका पता तब चला जब बीएचएमएस डिग्री होल्डर के पास दर्द का इलाज कराने गया और उसकी मौत हो

गई। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि व्यक्ति की मौत इलाज के दौरान हुई या बाद में यह जांच का विषय है। मिली जानकारी के अनुसार चितरंगी थाना पुलिस ने शुक्रवार को एक फर्जी डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। आरोपी अजीत कुमार के पास से एलोपैथिक दवाइयां और मेडिकल किट बरामद हुई है। आरोपी लंबे समय से चितरंगी इलाके के ग्रामीण आदिवासियों का इलाज कर रहा था। आरोपी अजीत कुमार ने कल बताया था कि उसके पास बीएचएमएस यानी बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी की मेडिकल डिग्री हैं। वहीं मृतक के भाई अनिल कुमार यादव ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया था कि मनोज यादव इलाज के लिए अजीत कुमार के पास गए थे। खून की जांच के बाद मरीज को चक्कर आने लगे। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।थाना प्रभारी सुदेश तिवारी ने बताया कि 20 मार्च को गलत इलाज से एक मरीज मनोज यादव की मौत हो गई। पुलिस ने जांच के दौरान अजीत कुमार के क्लिनिक पर छापा मारा। वहां से एलोपैथिक दवाइयां और चिकित्सा उपकरण बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने माना कि उसके पास कोई मेडिकल डिग्री नहीं है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मध्य प्रदेश आयुर्वेद विज्ञान परिषद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा।

एनसीएल एनएससी ने लगाया नि :शुल्क हृदय, हड्डी एवं कैंसर चिकित्सा शिविर

सिंगरौली। एनसीएल के जयंत स्थित नेहरू शताब्दी चिकित्सालय द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत निःशुल्क हृदय, हड्डी एवं कैंसर चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सर्वोदय अस्पताल, फरीदाबाद से डॉ. विष्णु हरी (कैंसर रोग विशेषज्ञ), डॉ. आशीष तोमर (अस्थि रोग विशेषज्ञ) एवं डॉ. नूर आलम (हृदय रोग विशेषज्ञ) ने उपस्थित

लोगों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया ।शिविर के दौरान हड्डी रोग, हृदय रोग, कैंसर एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जाँच की गयी। इस शिविर में से 150 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस अवसर पर सीएमएस, एनसीएल, डॉ. खरे, सीएमएस (इंचार्ज), एनएससी, डॉ. विनोद शर्मा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। एनसीएल सीएसआर के तहत समय समय पर ऐसे अनेक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करता रहा है। एनएससी द्वारा समय समय पर ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एनसीएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

गर्ल्स हॉस्टल में नाबालिक छात्रा ने दिया बच्चे को जन्म

सर्व शिक्षा अभियान द्वारा संचालित था सरई का छात्रावास, पुलिस जांच में जुटी

सिंगरौली। सरई थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गर्ल्स हॉस्टल में रह रही छात्रा के मां बनने का मामला सामने आया है। शुक्रवार की दोपहर में छात्रा ने सामुदायिक अस्पताल में नवजात बच्चें को जन्म दिया है। इस जानकारी के बाद से ही शिक्षा विभाग में ह?कंप मचा गया। फिलहाल पुलिस अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस नाबालिग छात्रा सहित हॉस्टल स्टाफ व घर वालों से पूछताछ कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार सरई क्षेत्र में संचालित गर्ल्स हॉस्टल की रहने वाली एक छात्रा ने नवजात बच्चों को जन्म दिया है। छात्रा के मां-बाप आज सुबह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरई में इलाज के लिए भर्ती कराया था। जहां दोपहर में छात्र ने एक नवजात बच्चे को जन्म दिया। डॉक्टर ने बताया कि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ है। चिकित्सकों की निगरानी में इलाज हो रहा है। मामले की जानकारी सरई थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह भदोरिया को लगी तो उन्होंने इस पूरे मामले को लेकर हॉस्टल सहित घर के लोगों से पूछताछ कर रहे हैं । वहीं पुलिस छात्रा से भी पूछताछ की लेकिन वह सही ढंग से कुछ बात नहीं पाई। पुलिस अब अज्ञात लोगों के नाम मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस ने कहा कि यह बेहद सेंसिटिव मामला है। हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या कोई बाहर का व्यक्ति है या छात्रावास का या फिर कोई प्रेमी है। हर एंगल से जांच की जा रही है। इस मामले को लेकर जब कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला और डीपीसी राम लखन शुक्ला का पक्ष जानने के लिए उनसे संपर्क किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। शर्मशार कर कर देने वाली इस घटना से छात्रावास कि सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। यदि छात्रावास में नियमित मेडिकल चेकअप हुआ होता तो शायद इस शर्मसार कर देने वाली घटना को रोका जा सकता था।? सूत्रों का दावा है कि छात्रावास में बच्चों का मेडिकल चेकअप सालों से नहीं हुआ था, जिसमें छात्रा के गर्भवती होने की बात सामने नहीं आई।

सीवरेज और नल जल योजना में कमीशन खोरी के आरोप, अधिकारी पैसे लेकर कर रहें भुगतान

सिंगरौली। नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार और घोटालों के खिलाफ सत्ता और विपक्ष के पार्षदों ने नगर निगम कमिश्नर के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज किया। हालांकि कल तक शामिल भाजपा के पार्षदों ने 24 घंटे के भीतर यू टर्न ले लिया और धरना प्रदर्शन से दूरी बना ली। भाजपा के वार्ड क्रमांक 29 के पार्षद रामनरेश शाह प्रदर्शन की शुरुआत में नजर आए लेकिन अचानक एक फोन आया और वह भी धरना प्रदर्शन स्थल से गायब हो गए। वही पार्षदों ने कलेक्टर के नाम 11 सूत्रीय मांगों को के लेकर नायब तहसीलदार अभिषेक यादव को ज्ञापन सौंपा। सत्ता पक्ष और विपक्ष के पार्षदों ने नगर पालिक निगम के मुख्य गेट को बंद कर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान पार्षदों ने कमिश्नर हटाओ नगर निगम बचाओं, भ्रष्टाचार बंद करों के नारे लगाते हुए विरोध दर्ज कराया। पार्षदों ने कमिश्नर पर आरोप लगाते हुए कहा कि वार्ड क्रमांक 32 शिवाजी काम्पलेक्स में पाइपलाइन फिटिंग में 38 लाख रूपये का घोटाला किया गया है। जिसमें नगर निगम आयुक्त की संलिप्तता साफ तौर पर दिखाई दे रही है, क्योंकि उन्होंने पदस्थापना के बाद कार्य का स्थल निरीक्षण किया। इसके बाद निगमायुक्त द्वारा संविदाकार का भुगतान कर दिया गया जो कि नहीं करना चाहिए था। पार्षदों ने पाइपलाइन में हुए भ्रष्टाचार मामले में कहा कि एम आई सी और परिषद ने

भी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही का प्रस्ताव भेजा था इसके बाद कमिश्नर ने भ्रष्टाचार में शामिल जिम्मेदार 4 अधिकारियों को दोषी मानते हुए निलंबित कर दिया था। लेकिन कुछ दिनों में ही नगर निगम कमिश्नर का हृदय परिवर्तन हुआ और वह सभी अधिकारियों को बहाल कर दिए गए। आज वही अधिकारी भ्रष्टाचार कर रहें हैं। यह कितना सही है। पार्षदों ने आरोप लगाया कि स्वच्छता के नाम पर हर महीने दो करोड रुपए का बंदरबांट किया जा रहा है।

पार्षदों द्वारा कलेक्टर को दिए पत्र में मांग की है कि पार्षद के बिना सहमत पत्र के कार्य का भुगतान न किया जाए, पार्षद निधि 50 लाख किया जाएं, प्रत्येक वार्ड में बराबर बजट का प्रावधान हो, कियाकल्प योजना अंतर्गत प्रत्येक वार्ड में बराबर दिया जाए अधिक काम करने पर भुगतान न हो, सिविल लाइन का काम कर रहे संविदा कार को तब तक भुगतान न किया जाए जब तक उसे सड़क को बनाना दे, सिटाडेल के कार्य का भुगतान सभी वार्डों के पार्षदों के सहमत के बिना भुगतान न किया जाए, सफाई कार्य का जब तक पार्षद संतुष्ट न हो एवं सहमत पत्र ना दे तब तक किसी भी मांग भुगतान न किया जाए, सभी बॉर्डो में पाइपलाइन का कार्य कराया जाए, अधिकारियों के चेंबर में ठेकेदारों की भीड़ लगी रहती है, अधिकारी ठेकेदारों को बैठकर बात करते हैं जब पार्षद पहुंचता है तो उसे खड़े रहना पड़ता है, अधिकारी बैठने तक के लिए नहीं पहुंचते, ऐसे में पार्षदों का अपमान होता है, बार्ड पार्षद के सहमत के आधार पर उपयंत्री, सहायक यंत्री की पदस्थगी किया जाए।

ग्राम पंचायत के अभिलेख एवं वस्तुए अपने अभिरक्षा में अप्राधिकृत रूप से रखे जाने के कारण जिले के 41 सचिवों को नोटिस जारी

सीधी। ग्राम पंचायत के अभिलेख एवं वस्तुएं संबंधित को प्रभार में नहीं दिये जाने एवं अनाधिकृत रूप से अपनी अभिरक्षा में रखे जाने के कारण संबंधित सचिवों के विरूद्ध मध्यप्रदेश पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 92(2) तथा मध्यप्रदेश पंचायत सेवा (ग्राम पंचायत सचिव भर्ती एवं सेवा की शर्ते) नियम 2011 के नियम 7 के तहत कार्यवाही संस्थित करने के लिए जिले के 41 ग्रामपंचायत सचिवों को कारण बताओ सूचना पत्र अंशुमन राज विहित प्राधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी द्वारा जारी किया जाकर जबाब चाहा गया है।

रघुराज सिंह, अमरपुर, रामसखा विश्वकर्मा, बडागांव, सुदामा प्रसाद वर्मा बघौडी, सुनीता पटेल बल्हया, संजय द्विवेदी बरबंधा, अरविन्द कुमार पाण्डेय भनमारी, प्रतिमा सिंह भितरी, तेजा प्रसाद पटेल चमरौहा, रमेश कुमार पटेल चितवरिया, संदीप कुमार वर्मा चौराही, सुधाकर सिंह ददरीकला, अमित कुमार पाण्डेय डढिया, रामचन्द्र सेन डिहुलीखास 3, मोतीलाल द्विवेदी डोल, विजय कुशवाहा घोघरा गहिरा, अशोक कुमार गौतम गोडाही, राज कुमार द्विवेदी हटवा, रामशिरोमणि पटेल हटवा देवार्थ, गणेश गुप्ता जनकपुर, विकमादित्य सिंह खडबडा, शोक कुमार मिश्रा कुनझुनकला, बृजेन्द्र कुमार पाण्डेय कुसेडा, अशोक कुमार पाठक कुशियारी, अरुण कुमार पाण्डेय लौआर पैपखार, गणेश गुप्ता मझरेटी कोठार, शंशाक द्विवदी मौहार, मुद्रिका प्रसाद दीक्षित नकझरकला, भैयालाल द्विवेदी पैगमा आवाद, राजीवरंजन विश्वकर्मा पमरिया, अम्बिकेश शुक्ला (रोजगार सहायक) पटेहराकोठार, गोपाल जी शर्मा पथरौही, तेजभान यादव पतुलखी, शैलेन्द्र सिंह पोखरा, सरोज सिंह पोडी, रामसजीवन पटेल राजगढ, बेकुष्ठ बहादूर सिंह (रोजगार सहायक) रामडीह, राजेन्द्र तिवारी सहजी, आशुतोष उपाध्याय सिहौलिया, मजू सिंह सोनतीर पटेहरा, बालकेशव पटेल तेन्दुहा नं02 एवं विक्रमादित्य सिंह तितली को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायतों में जब कोई अभिलेख की मांग की जाती है तो यह जबाब मिलता है कि उक्त अभिलेख उन्हें उनके पूर्व सचिव के द्वारा प्रभार में नहीं दिया गया जिसके कारण अंशुमन राज मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी के द्वारा समस्त जनपद पंचायतों को यह निर्देशित किया गया कि वे यह सुनिश्चित करें कि सभी ग्राम पंचायतों के स्थानान्तरित सचिवों के द्वारा अपना प्रभार का आदान-प्रदान कर प्रभार की एक सूची जनपद पंचायतों को उपलब्ध करायें एवं जनपद पंचायते उक्त प्रभार सूची संबंधित सचिवों के व्यक्तिगत नस्ती में संधारित करें ताकि किसी भी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नियत करने में आसानी हो। बार-बार पत्रों के माध्यम से लिखित एवं मौखिक, समीक्षा बैठकों एवं दूरभाष पर निर्देशित करने के बावजूद भी कुछ ग्राम पंचायत के सचिवों के द्वारा ग्राम पंचायतों के प्रभार के आदान-प्रदान की जानकारी/सूची जनपद पंचायत को उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। इससे यह प्रतीत होता है कि उनके द्वारा ग्राम पंचायत के अभिलेख (एमबी आदि सहित) एवं वस्तुए अपने अभिरक्षा में अप्राधिकृत रूप से रखे हुए है और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिहावल के निर्देशों के बावजूद भी उक्त प्रभार सूची उपलब्ध नहीं कराया जाना मध्यप्रदेश पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 92(1) का उल्लंधन की श्रेणी में आता है। जो उक्त अधिनियम की धारा 92(2) के तहत 30 दिन की कालावधि के लिए सिविल जेल में परिरूद्ध रखे जाने के साथ ही मध्यप्रदेश पंचायत सेवा (आचरण) नियम 1998/संविदा शर्तो के विरूद्ध होने से दण्डनीय है।

बोनस के साथ 2600 रुपये में खरीदा जाएगा किसानो से गेहूँ

सीधी। जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि शासन द्वारा रबी उपार्जन वर्ष 2025-26 के लिए गेहूँ का समर्थन मूल्य 2425 रूपये तथा सरकार द्वारा घोषित बोनस 175 रूपये प्रति क्वि. के साथ किसानों से कुल 2600 रूपये प्रति क्वि. की दर से गेहूँ के उपार्जन का कार्य किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन जारी है। पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 तक निर्धारित की गई है। एमपी किसान एप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा मोबाइल, कम्प्यूटर, समिति के पंजीयन केन्द्र तथा ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र में पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। किसान सशुल्क देकर एमपी ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर, लोक सेवा केन्द्र तथा साईबर कैफे से भी पंजीयन करा सकते है। उन्होंने जिले के समस्त किसान भाईयो से अपील की है कि जिन्होंने अपना गेहूँ का पंजीयन नही कराया है। उपरोक्त किसी भी नजदीकी केन्द्र में जाकर अपना पंजीयन दिनांक 31.03.2025 से पूर्व करावे एवं गेहूँ विक्रय कर समर्थन मूल्य एवं बोनस का लाभ प्राप्त करें।

एक शाम बघेली के नाम का हुआ आयोजन

सीधी। एक शाम बघेली के नाम इन्द्रवती नाट्य समिति सीधी का विनम्र आयोजन शाम 05 बजे से यूसीएन मास पब्लिक स्कूल में रखा गया अतिथि कृष्ण मोहन द्विवेदी प्रयागराज, मनोज प्रयागराज, कैलाश केशरी प्रयागराज, डॉ मनोज सिंह,एस डी सिंह और रोहिणी तिवारी,स्वेता तिवारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई इन्द्रवती नाट्य समिति के कलाकार सृजन मिश्र एवं साथियों ने बघेली लोकगीत की मनमोहक प्रस्तुति से श्रोताओं का मन मोह लिया तो वहीं दूसरी ओर एक्सट्रीम आर्ट एंड एजुकेशनल सोसाइटी सीधी की गायिका श्रुति सिंह और साथियों ने रोशनी प्रसाद मिश्र और नीरज कुंदेर के मार्गदर्शन में बघेली संस्कार गीत की प्रस्तुति से पारंपरिक संस्कार गीतों का मान बढ़ाया।अन्य कलाकारों में दृष्टि तिवारी, मानसी तिवारी,स्वर्णिम द्विवेदी, दिव्या द्विवेदी, शुभि सिंह, अनभूति कुंदेर, ओमकार पाण्डेय, देवांश तिवारी, अभिनय कुंदेर ने शानदार प्रस्तुति दी ढोलक पर संगत कर रहे थे श्लोक तिवारी और तबला वादन सत्यदीप द्विवेदी ने किया।प्रस्तुति उपरान्त अतिथियों ने प्रस्तुति की प्रशंसा करते हुए कहा कि बघेली माटी की बोली बानी की सोंधी खुशबू भोजपुरी से कहीं भी कमतर नहीं है परन्तु बघेली को वह सम्मान नहीं मिला जो मिलना चाहिए था, हालांकि उसका एक फायदा भी है कि अभी बघेली कलाओं में शुद्धता और देशीपन बचा हुआ है जबकि भोजपुरी और छत्तीसगढ़ी में आज की स्थिति में फूहड़पन का बोलबाला है।कार्यक्रम में विद्यालय के संस्थापक सूर्यप्रकाश सिंह बघेल,रूचि सिंह,आयोजन समिति से नीरज कुंदेर, रोशनी प्रसाद मिश्र,रजनीश जायसवाल, प्रजीत साकेत की विशेष उपस्थिति रही।उक्त अवसर पर भारी तादात में श्रोता उपस्थित रहे, मंच संचालन रोशनी प्रसाद मिश्र ने किया अंत में सभी अतिथियों, श्रोताओं और कलाकारों का आभार सूर्यप्रकाश सिंह ने व्यक्त किया।

राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार रथ रवाना

सीधी। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए उपखंड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा द्वारा प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत पेंशन एवं अन्य योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए यह रथ जिले के सभी जनपदों एवं ग्राम पंचायतों में एलईडी स्क्रीन और अन्य माध्यमों से जनहितकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करेगा।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के जिला समन्वयक सूरज सिंह, सीपी तिवारी मुख्य लिपिक, शिवांसु शुक्ला पुनर्वास विशेषज्ञ विशेष शिक्षक जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र उपस्थित रहे।

गोपला से विसही मार्ग की अर्चनें होगी दूर : सांसद

सीधी

लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा नई दिल्ली में भारत सरकार के वन महानिदेशक सुशील अवस्थी से गोपला से बिसही मार्ग निर्माण में वन विभाग की अड़चनों को दूर करने व सीधी से सोन घड़ियाल अभ्यारण्य की अधिसूचना रद्द करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

चर्चा के उपरांत सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि गोपला से विसही मार्ग में जंगल विभाग की आ रही अर्चने दूर होंगी और आगे का बाधित मार्ग बनकर पूर्ण होगा, जिससे लाखों लोगों को फायदा

होगा वही सन घड़ियाल अभ्यारण की अधिसूचना रद्द होगी जिसके कारण क्षेत्र का व्यापक स्तर पर विकास सुनिश्चित होगा।

कोयला एवं खान मंत्रालय की परामर्शदात्री बैठक में संसद डा मिश्रा ने दिए कई सुझाव

लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने नई दिल्ली संसद भवन में केंद्रीय कोयला मंत्री किशन रेड्डी गंगापुरम की अध्यक्षता व कोयला राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे की उपस्थिति में आयोजित कोयला एवं खान मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की बैठक में शामिल होकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की और मंत्रालय को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। बैठक के उपरांत रात्रिभोज में भी सांसद डॉक्टर मिश्रा सम्मिलित हुए।

एमपी में 90 फीसदी तक बढ़ेंगे जमीन के दाम

सीधी

अगर आप मध्य प्रदेश के सीधी जिले में जमीन खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो जल्द निर्णय लें, क्योंकि 1 अप्रैल से जमीन की कीमतों में भारी वृद्धि होने जा रही है। सीधी के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 1450 लोकेशन में से 600 लोकेशन पर जमीन के दाम बढ़ा दिए गए हैं। बढ़ी हुई दरें नए वित्तीय वर्ष यानी 1 अप्रैल से लागू हो जाएंगी।

इस मूल्य वृद्धि का निर्णय जिला मूल्यांकन समिति द्वारा लिया गया है और इसे केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड भोपाल को भेजा जा चुका है। हालांकि, वहां से अंतिम स्वीकृति मिलना अभी बाकी है। जिले में जमीनों की औसत मूल्य वृद्धि 11.2 प्रतिशत आंकी गई है, जिसमें 5 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक की वृद्धि शामिल है।

जिला पंजीयक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, जिले में शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनों की कीमतों में ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई है। खासतौर पर वे लोकेशन जो राष्ट्रीय राजमार्ग, बायपास और रिंग रोड से लगे हुए हैं, वहां की जमीनें अब व्यावसायिक उपयोग के लिए अधिक उपयुक्त मानी जा रही हैं, जिससे कीमतों में तेजी आई है।

विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस पर जिला चिकित्सालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

सीधी। विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस पर जिला चिकित्सालय में विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। इस अवसर पर पहले दिन अस्पताल के पूरे स्टाफ को दांत और मुंह को स्वस्थ रखने के लिए शपथ दिलवाई गई, हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, हितग्राहियों का दंत परीक्षण कर दांतो की सुरक्षा की समझाइश दी गई एवं मुँह के कैंसर का परिक्षण किया गया। हितग्राहियों को तम्बाकू गुटखा सुपारी सेवन नहीं करने की सलाह दी गई एवं सुबह रात दोनों समय ब्रश करने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबिता खरे, सिविल सर्जन डॉ दीपरानी इसरानी, डॉ लक्ष्मण पटेल, डॉ आशीष भारती, डॉ हिमेश पाठक, डॉ रवि पटेल एवं ओरल हेल्थ नोडल ऑफिसर डॉ अनुराग पाल, डेंटल सर्जन डॉ सत्येन्द्र शुक्ला, डॉ स्वाती सिंह, डॉ माधुरी उइके, डॉ रश्मि सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 23 मार्च को

सीधी

सहायक आयुक्त ने जानकारी देकर बताया है कि अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालित शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा के लिए परीक्षा केन्द्र चिन्हित किये गये है। सीधी जिले के जिला मुख्यालय में संचालित उत्कृष्ट उ.मा.वि. क्रमांक 1 सीधी में परीक्षा केन्द्र चिन्हित किया गया है, जिसमें अनुसूचित जाति वर्ग के कुल 32 छात्र-छात्राएं प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होंगे। उक्त परीक्षा का आयोजन दिनांक 23.03.2025 को प्रात: 10 बजे से 01 बजे तक परीक्षा का समय निश्चित किया गया है। उक्त परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्र-छात्राएं नियत तिथि को परीक्षा समय से 30 मिनट पूर्व प्रवेश पत्र के साथ परीक्षा केन्द्र शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. क्रमांक 1 में अनिवार्य रूप से उपस्थित होंवे।

बैगा जनजाति को बैगा विकास प्राधिकरण में शामिल करने हेतु केंद्रीय मंत्री से मिले सांसद

सीधी। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा लोकसभा के समग्र विकास हेतु निरंतर सक्रिय हैं। इसी तारतम्य में नई दिल्ली में केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गा दास उइके के निवास पर भेंट कर सीधी व सिंगरौली के बैगा जनजाति को बैगा विकास प्राधिकरण में शामिल करने के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए बैगा विकास प्राधिकरण में शामिल करने की मांग की। सांसद डॉक्टर मिश्रा की मांग पर केंद्रीय मंत्री श्री उइके ने कहा कि आपकी मांगे जनकल्याणकारी है। प्राथमिकता के

आधार पर हम निश्चित रूप से इसके लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। सांसद डॉक्टर मिश्रा की इस पहल का लोकसभा संसदीय क्षेत्र के बैगा जनजाति के लोगों ने सांसद डॉ मिश्रा एवं केंद्रीय मंत्री का अभिनंदन किया है। इस अवसर पर पूर्व जनपद सदस्य श्रीमती रामबती बैगा, श्याम सुंदर बैगा, राजू बैगा, बब्बू लाल बैगा उपस्थित रहे।

एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत तीन दिवसीय लोकोत्सव का आयोजन 22 मार्च से

विभिन्न राज्यों के लोकगीतों एवं लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएगी

सीधी। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा तथा जिला प्रशासन सीधी (म.प्र.) के सहयोग से एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत तीन दिवसीय लोकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन 22 मार्च से पूजा पार्क सीधी में किया जाएगा। केंद्र के प्रभारी निदेशक आशिस गिरि ने बताया कि इस दौरान कलाकारों द्वारा विभिन्न राज्यों के लोकगीतों एवं लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही इन्द्रवती नाट्य समिति के संयोजन में स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

केंद्र के प्रभारी निदेशक ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत 22 मार्च को छतरपुर के कलाकारों द्वारा बुंदेली एवं भजन गायन, मथुरा के कलाकारों द्वारा मयूर व फूलों की होली नृत्य, शरमिला गदीली एवं दल द्वारा सिक्किम का तमांग सैलो नृत्य, कैलाश ध्यानी एवं दल द्वारा गढ़वाल के नृत्य, मूलचन्द्र ठाकुर द्वारा मध्य प्रदेश का प्रसिद्ध लोकनृत्य राई व स्थानीय कलाकारों द्वारा सैला नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। 23 मार्च को संजो बघेल एवं दल द्वारा आल्हा गायन तथा स्थानीय कलाकारों द्वारा बघेली गुदुम बाजा नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी, जबकि 24 मार्च को मनीष अग्रवाल द्वारा तम्बूरा भजन एवं लोकगीत, गोपाल सिंह चम्याल द्वारा कुमाउंनी लोकगीत, तमांग सैलो नृत्य, गढ़वाल के नृत्य, राई नृत्य तथा स्थानीय कलाकारों द्वारा कर्मा नृत्य की साथ ही प्रतिदिन स्थानीय कलाकारों द्वारा लोकनृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी।

आधा दर्जन जर्जर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का गिर रहा प्लास्टर

सीधी। नगर पालिका के चार दशक से अधिक समय के शॉपिंग कांप्लेक्स भवन जर्जर स्थिति में पहुंच गए हैं। छत के साथ ही दीवारों का प्लास्टर भी उखडक़र गिरता रहता है। बारिश के मौसम में तो छतों से पानी टपक रहा था। इधर नगर पालिका द्वारा जर्जर शॉपिंग कांप्लेक्सों की मरम्मत नहीं कराई जा रही है, नपा का ध्यान केवल मासिक किराया वसूली पर है, जबकि शर्तों के अनुसार शॉपिंग कांप्लेक्स के मरम्मतीकरण की जिम्मेदारी नगर पालिका की है।

बता दें कि शहर में दो दर्जन से अधिक नगर पालिका के शॉपिंग कांप्लेक्स हैं। इनमें से करीब आधा दर्जन शॉपिंग कांप्लेक्स चार दशक पुराने हो चुके हैं। कुछ का निर्माण विशेष प्राधिकरण सांडा के तहत कराया गया था, जो बाद में विशेष प्राधिकरण सांडा के निरस्त होने

के बाद नगर पालिका के अधीन हो गए थे। शॉपिंग कांप्लेक्स में निर्मित दुकानें नीलामी के माध्यम से व्यापारियों को आवंटित कर दी गई है, जिससे मालिकाना हक तो दुकान स्वामियों के पास है, लेकिन नगर पालिका द्वारा दुकान मालिकों से विभिन्न कर वसूले जाते हैं, जिसमें मेंटीनेंस शुल्क भी शामिल है।

नगर पालिका द्वारा शॉपिंग कांप्लेक्स की दुकानों का दो से तीन हजार रुपये प्रतिमाह के मान से किराया वसूला जा रहा है। प्रति वर्ष दुकान किराया में वृद्धि भी की जा रही है। नगर पालिका अधिनियम के अनुसरार किराया का निर्धारण किया गया है। किराया की वसूली में तो नपा का जोर है, मरम्मतीकरण में नहीं।

शहर के आधा दर्जन शॉपिंग कांप्लेक्स की हालत जर्जर हो चुकी है, इसमें मुख्य रूप से रेस्टोरेंट शॉपिंग कांप्लेक्स गोल मार्केट व छत्रसाल स्टेडियम से लगा छत्रसाल शॉपिंग कांप्लेक्स शामिल हैं। इसके छत की हालत काफी खराब है, बारिश में पानी टपकता है और अंदर छत का प्लास्टर गिरता रहता है। वहीं छज्जे का भी प्लास्टर उखडक़र गिरता रहता है। लोहे की छड़ दिखने लगी है। इसके अलावा संजीवनी पालिका बाजार शॉड्क्षपग कांप्लेक्स, नगर पालिका कार्यालय से लगा पुष्पांजलि भवन जिसमें पूर्व में नगर पालिका कार्यालय का संचालन होता था, अब किराये पर मलेरिया विभाग का कार्यालय संचालित है, जर्जर स्थिति में है। वहीं कलेक्ट्रेट तिराहा स्थिति करूणा कांप्लेक्स, पीएन शॉपिंग कांप्लेक्स जर्जर स्थिति में हैं।

जल्द जर्जर कॉम्प्लेक्सों की होगी मरम्मत

शॉपिंग कॉप्लेक्स का सर्वे करवा लिया गया है, जिसकी मरम्मत के लिए स्टीमेट बनवाया जा रहा है। जल्द ही जर्जर कॉप्लेक्सों का मरम्मत करवा दिया जाएगा।

-मिनी अग्रवाल, सीएमओ, नपा सीधी

ई-केवाईसी में लापरवाही पर 12 शासकीय उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

सीधी

उपखण्ड अधिकारी सिहावल एसपी मिश्रा द्वारा ई-केवाईसी में लापरवाही बरतने पर 12 शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओं को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रमुख सचिव मध्य प्रदेश शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय भोपाल म.प्र. के द्वारा पात्र हितग्राहियों के सभी सदस्यों की ई-केवाईसी किये जाने के निर्देश दिये गये थे। उक्त कार्य मे लापरवाही बरतने पर शासकीय उचित मूल्य दुकान नकझर कला के विक्रेता दुर्गेश पाण्डेय, मौहार विनोद मिश्रा, चोराही पुष्पराज सिंह गहरवार, खैरा अरविन्द कुमार पाठक, अमरपुर प्रमोद कुमार सिंह, पडरिया प्रभुदत्त पाठक, अमिलिया प्रमोद कुमार सिंह, पोखडौर शिवेन्द्र कुमार मिश्रा, खुटेली शंकर प्रसाद यादव, बाकी अनुराधा तिवारी, हिनौती पवन कुमार गुप्ता एवं दुधमनिया योगेश कुमार तिवारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

उन्होने बताया कि उपरोक्त दुकानों की ई-केवाईसी प्रतिशत जिले के औसत प्रतिशत से भी कम है। संबंधित विक्रेताओं द्वारा शासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। यह मध्य प्रदेश सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2015 की कण्डिका 18 का स्पष्ट उल्लंघन है, जो कि इसी अधिनियम की धारा 16 के तहत दण्डनीय है। उन्होंने बताया कि 27 मार्च 2025 तक समाधानकारक जवाब नहीं प्रस्तुत करने पर संबंधितों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

संपादकीय

सुनीता विलियम्स ने बनाया नया कीर्तिमान

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की सुरक्षित वापसी वैज्ञानिक उपलब्धि है ही, इससे भावी अंतरिक्ष अभियानों के लिए नई संभावनाएं और नई राहें खुलने की उम्मीद है। अंतरराष्टीय अंतरिक्ष केंद्र में नौ महीने रहने के दौरान सुनीता ने न तो अपना हौसला खोया और न ही अपना समय गंवाया। पूरे आत्मविश्वास के साथ वहां वे कार्य करती रहीं। किसी न किसी दिन उन्हें लौटना है, इस विश्वास के साथ सदैव सकारात्मक रहीं। एक बार तो उन्होंने कहा भी कि किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। वैसे भी वैज्ञानिक और अंतरिक्ष यात्री सभी जोखिमों के लिए तैयार रहते हैं। जाहिर है कि सुनीता भी इसके लिए तैयार थीं। वे अंतरिक्ष में परीक्षण उड़ान पर गई थीं। आठ दिन बाद उन्हें लौटना था। तब यह नहीं पता था कि वापसी के समय स्टारलाइनर में तकनीकी खराबी आ जाएगी। अंतरिक्ष केंद्र में रहने के दौरान न केवल उन्होंने अपना अध्ययन जारी रखा, बल्कि कई अनुसंधान और प्रयोग भी किए। नौ महीने अंतरिक्ष में रहने का कीर्तिमान भी बनाया। इस बीच अंतरिक्ष यात्रियों को लाने के लिए नासा ने पूरी ताकत लगा दी थी। तकनीकी दिक्कतें इतनी थीं कि अभियान अधूरा होता लग रहा था। मगर स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल की मदद से सुनीता और बुच विल्मोर के साथ निक हेग और अलेक्जेंडर गोरबुनोव को भी फ्लोरिडा के तट पर उतार लिया गया। यह पहली बार है जब कोई अंतरिक्ष मिशन इतना लंबा खिंचा। जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर से दोनों अंतरिक्ष यात्री गए थे। वहां अटक जाने के बाद सुनीता और विल्मोर अंतरिक्ष केंद्र के पूर्णकालिक सदस्य की तरह हो गए थे। इस दौरान सुनीता ने कई कीर्तिमान अपने नाम किए। अंतरिक्ष में फंसे रहने पर उन्होंने कभी कोई शिकायत नहीं की। मगर इस दौरान उनसे भावनात्मक रूप से जुड़े रहे करोड़ों लोग उनकी कुशलता के लिए प्रार्थना करते रहे। अब उनके लौट आने के बाद वैज्ञानिक अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के प्रभावों का गहन अध्ययन कर सकेंगे। भविष्य में मंगल और चांद पर जाने और वहां मनुष्यों के रहने की संभावनाएं तलाशी जा सकेंगी।

हेडफोन-गेमिंग से बच्चों के बहरे होने का खतरा

टेक्नोलॉजी विकास एवं उससे जुड़े नये-नये उपकरण आधुनिक जीवनशैली को भले ही बहुत आसान कर दिया हो लेकिन इसके अनियंत्रित उपयोग से भारी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अक्सर देखा जाता है कि जॉब करने वाले माता-पिता अपना टाइम बचाने एवं सुविधा के लिए बच्चों को छोटी उम्र में ही फोन और हेडफोन का उपयोग करने के लिए देते हैं। लेकिन ये उपकरण उनके बच्चों के लिए कितने नुकसानदायक एवं खतरनाक हैं इसका खुलासा नये-नये अध्ययनों से सामने आ रहा है, जो चिन्ताजनक एवं डरावना है। ऐसे ही एक अध्ययन में यह आशंका जतायी गयी है कि लगातार कानों पर मोबाइल व ईयरफोन लगाने का बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ रहा है और वे बधिरता से ग्रस्त होते जा रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो पिछले कई महीनों में बच्चों के कानों में दर्द, सुनने में परेशानी, बधिरता और संक्रमण की शिकायतें बहुत ज्यादा आ रही हैं। वहीं डॉक्टर्स का कहना है कि इन उपकरणों के उपयोग से कानों पर काफी ज्यादा जोर पड़ता है और घंटो तक तेज आवाज सुनने से सुनने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है।

(ललित गर्ग)

विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को सर्तक किया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें।

टेक्नोलॉजी विकास एवं उससे जुड़े नये-नये उपकरण आधुनिक जीवनशैली को भले ही बहुत आसान कर दिया हो लेकिन इसके अनियंत्रित उपयोग से भारी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अक्सर देखा जाता है कि जॉब करने वाले माता-पिता अपना टाइम बचाने एवं सुविधा के लिए बच्चों को छोटी उम्र में ही फोन और हेडफोन का उपयोग करने के लिए देते हैं। लेकिन ये उपकरण उनके बच्चों के लिए कितने नुकसानदायक एवं खतरनाक हैं इसका खुलासा नये-नये अध्ययनों से सामने आ रहा है, जो चिन्ताजनक एवं डरावना है। ऐसे ही एक अध्ययन में यह आशंका जतायी गयी है कि लगातार कानों पर मोबाइल व ईयरफोन लगाने का बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ रहा है और वे बधिरता से ग्रस्त होते जा रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो पिछले कई महीनों में बच्चों के कानों में दर्द, सुनने में परेशानी, बधिरता और संक्रमण की शिकायतें बहुत ज्यादा आ रही हैं। वहीं डॉक्टर्स का कहना है कि इन उपकरणों के उपयोग से कानों पर काफी ज्यादा जोर पड़ता है और घंटो तक तेज आवाज सुनने से सुनने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को सर्तक किया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें। दरअसल, डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद ने कहा है कि दुनिया में 1.40 अरब लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। जिसमें 40 करोड़ लोग दक्षिण पूर्व एशिया में बधिरता से ग्रस्त हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे। यूं तो साठ साल के बाद सुनने की क्षमता प्राकृतिक रूप से कम हो जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में लगातार कानों में ईयरफोन आदि लगाने से यह संकट बच्चों एवं युवाओं में बढ़ता जा रहा है। खासकर वे बच्चे एवं युवा जो लगातार लेपटॉप व मोबाइल पर गेमिंग व अन्य कार्यक्रम तेज आवाज में घंटों सुनते रहते हैं। पहले कम सुनने की समस्या दिखायी देती है और कालांतर में यह समस्या बहरेपन में तब्दील हो जाती है। दरअसल, कानों पर तकनीकी शोर का इतना अधिक दबाव बढ़ गया है कि बच्चे एवं युवा अपनी सुनने की प्राकृतिक क्षमता खोने लगे हैं। जो एक विश्वव्यापी आसन्न गंभीर संकट को ही दर्शाता है, इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो बहरों की दुनिया बनने से रोकना मुश्किल हो जायेगा।

विज्ञान के अनुसार, हमारे कानों के सुनने की क्षमता निर्धारित है। हमारे कानों के लिए 40 से 60 डेसिबल सुनने की क्षमता निर्धारित की है जो सही है, लेकिन इससे ऊपर यानी 85 से 100 डेसिबल साउंड कानों के लिए खतरनाक है। यूं तो बहरापन उम्र के साथ आता है लेकिन पिछले कुछ दशकों में कम सुनाई देने यानी बहरेपन की समस्या तेजी से युवाओं और बच्चों को अपना शिकार बना रही है और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जाहिर की है। युवाओं एवं बच्चों में बढ़ते मोबाइल एवं ईयरफोन के प्रचलन एवं तेज आवाज में गाने एवं संगीत सुनने की लत से पिछले कुछ सालों में बहरेपन का संकट बढ़ता जा रहा है। आंकड़ों की बात करें तो पिछले दशकों में दुनिया में 3.4 करोड़ से अधिक बच्चों में कम सुनाई देने की क्षमता के केस सामने आए हैं। यह दुनिया की एक भयावह एवं चुनौतीपूर्ण समस्या की ओर बढ़ने का संकेत है, एक पूरी पीढ़ी के बहरे होने की चुनौती को खड़ा कर रहा है। विडंबना यह है कि जीवनशैली में नित-नये आ रहे बदलावों तथा शिक्षा कार्यों के लिये ऑनलाइन रहने की दलील ने बच्चों को मोबाइल-लेपटॉप-ईयरफोन का आदी बना दिया है। तेज आवाज का संगीत व तरह-तरह के कंसर्ट बच्चों को लुभाते हैं। ऐसे में अभिभावक बच्चों को इस संकट की भयावहता से अवगत कराएं तथा समय-समय पर उनके कानों का चेकअप कराते रहें। कोशिश हो रचनात्मक तरीके से उनकी इस आदत को बदलने का प्रयास किया जाए।

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि सामान्य तौर पर 60 साल के बाद लोगों में सुनने की क्षमता कम होने लगती है। लेकिन जिस तरह की जीवनशैली आज के युवा एवं बच्चे अपना रहे हैं, उससे कम उम्र में ही ये क्षमता कमजोर हो रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह ईयरफोन और हैडफोन को बताया जा रहा है। नए जमाने में हैडफोन और ईयरफोन भले ही काफी उपयोगी हों लेकिन इनका ज्यादा इस्तेमाल करने से युवा एवं बच्चें बहरेपन के रिस्क में आ रहे हैं। माना जा रहा है कि जितने ज्यादा डेसिमल में हेडफोन यूज किया जाएगा, उतना ही ज्यादा कानों को नुकसान होगा। जिस तरह से आजकल के युवा एवं बच्चे हैडफोन और ईयरफोन का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे उनके कान तेज आवाज के संपर्क में लगातार रहते हैं और इससे कान की नाजुक मांसपेशियों को नुकसान पहुंच रहा है एवं बहरेपन की समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है।

दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि आज मोबाइल फोन, लेपटोप, हैडफोन और ईयरफोन एक आवश्यक बुराई बन चुका है। आज नई पीढ़ी इस संबंध में मां-बाप एवं शिक्षकों की नसीहतों एवं हिदायतों पर ध्यान कम ही देती है। ऐसे में स्कूल-कालेजों में शिक्षकों व सामाजिक अभियानों से जुड़े लोगों को जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। सरकार भी इसके लिये जागरूक करें। विभिन्न सूचना माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मो से बच्चों को जागरूक करने के लिये मुहिम चलाने का कुछ लाभ जरूर मिल सकता है। लेकिन विडंबना यह है कि हरदम कानों पर मोबाइल व ईयरफोन तथा बड्स आदि लगाना स्टेटस सिंबल बन गया। व्यक्ति खुद व्यस्त होने का दिखावा करता रहता है। वैसे भी महानगरों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसके खतरों को लेकर समाज में जागरूकता के प्रचार-प्रसार की सख्त जरूरत होती है। बच्चों को लेकर अभिभावकों व शिक्षकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि उनके लंबे जीवन पर बहरेपन का संकट मंडराने का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। आधुनिक सुनने के उपकरणों एवं तेज़ आवाज़ से कान की नसों और हियरिंग सेल्स को नुकसान हो सकता है, जिससे बहरापन भी हो सकता है। एक समय था जब कम सुनाई देने की शिक़ायत बुजुर्ग किया करते थे, लेकिन बदलती जीवनशैली के कारण कम उम्र में भी लोगों में यह समस्या होने लगी है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से सुनने की क्षमता को बेहतर बनाया जा सकता है।

मानव जीवन में सुनने की क्षमता का अक्षुण्ण रहना जीवन की परिपूर्णता का परिचायक है। इस सचाई को नहीं नकारा जा सकता कि श्रवण यानी सुनने की क्षमता जीवन को नया आकार देने, मानसिक दरिद्रता का निवारण करने तथा ऊंचे ध्येय की पूर्ति हेतु आगे बढ़ने की सही चाबी है। जैसे दवा रोग नाशक होती है, पर गलत दवा के सेवन से रोग घटने की अपेक्षा अधिक बढ़ जाता है, वैसे ही गलत जीवनशैली, गलत तरीको से जीने, गलत तरीके से सुनने की क्षमता का उपयोग करने, अनियंत्रित शोर-शराबे को सुनने से जीवन में विकृतियां एवं परेशानियां घुस जाती है और अनेक तरह के श्रवण रोगों का हमला होने लगता है। इसलिये सुनने की क्षमता का सम्यक् उपयोग जरूरी है। देखना और सुनना- ये दोनों ही जीवन-विकास एवं ज्ञान-वृद्धि के माध्यम है। पर सुनना अधिक शक्तिशाली साधन है, क्योंकि आंखों में जो दृश्य प्रतिबिम्बित होते हैं, वे तात्कालिक होते हैं। श्रवण-पथ से ही हम ज्ञान के साथ-साथ दीर्घकालिक अनुभवों को आत्मसात कर सकते हैं। इसलिये श्रवण-पथ या सुनने की क्षमता पर हो रहे हमलों को हम गंभीरता से ले अन्यथा सुनने की पंगुता हमारे जीवन का अभिशाप बन सकती है। लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

प्लेसमेंट और पैकेज की समस्या से जूझते आज के युवा

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर केवल एक देश की समस्या ना होकर अब वैश्विक समस्या होती जा रही है। रोजगार के लेकर अब तो यह भी बेमानी हो गया है कि आपने कहां से अध्ययन किया है। हालात यह होते जा रहे हैं कि दुनिया के श्रेष्ठतक अध्ययन केन्द्रों के पासआउट युवा भी अच्छे पैकेज के रोजगार के लिए दो चार हो रहे हैं। यह कल्पना या कपोल कल्पित नहीं बल्कि वास्तविकता है कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, शिकागो, कोलंबिया, एमआईटी, पेन्सिलवेनिया, एमआईटी जैसे वैश्विक ख्यातनाम संस्थानों से एमबीए करें युवाओं को पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलने की संख्या में तेजी से इजाफा होता जा रहा है।

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

सरकारें लाख प्रयास करें या विपक्षी बेरोजगारी बढ़ने के लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये पर लगता है कि प्लेसमेंट, रोजगार और पैकेज का संकट किसी एक देश का नहीं अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इससे युवाओं में कहीं ना कहीं निराशा भी आती जा रही है।

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर केवल एक देश की समस्या ना होकर अब वैश्विक समस्या होती जा रही है। रोजगार के लेकर अब तो यह भी बेमानी हो गया है कि आपने कहां से अध्ययन किया है। हालात यह होते जा रहे हैं कि दुनिया के श्रेष्ठतक अध्ययन केन्द्रों के पासआउट युवा भी अच्छे पैकेज के रोजगार के लिए दो चार हो रहे हैं। यह कल्पना या कपोल कल्पित नहीं बल्कि वास्तविकता है कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, शिकागो, कोलंबिया, एमआईटी, पेन्सिलवेनिया, एमआईटी जैसे वैश्विक ख्यातनाम संस्थानों से एमबीए करें युवाओं को पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलने की संख्या में तेजी से इजाफा होता जा रहा है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिका के सात शीर्ष संस्थानों से एमबीए का अध्ययन कर निकले विद्यार्थियों के प्लेसमेंट को लेकर अध्ययन कर रिपोर्ट में तो यही खुलासा किया है। चौकाने वाली बात यह है कि 2021 की तुलना में 2024 में यह प्रतिशत करीब करीब चार गुणा बढ़ गया है। 2021 में केवल 4 प्रतिशत पासआउट छात्र ही ऐसे थे जिन्हें पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलता था वह संख्या 2024 तक बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई है। अमेरिका के शीर्ष सात संस्थनों में कहीं कहीं तो छह गुणा तक की बढ़ोतरी देखी गई है। यह इसलिए भी चिंताजनक है कि जिन संस्थानों के अध्ययन का स्टेण्डर्ड निर्विवाद समूचे विश्व में श्रेष्ठतम रहा है और जिनकी वैश्विक पहचान है उनकी ही यह हालत है तो आम संस्थानों की क्या होगी? यह अकल्पनीय है। हो सकता है कि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण हो पर हालात जिस तरह के सामने आ रहे हैं उससे यह साफ हो जाता है कि प्लेसमेंट की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

सवाल केवल प्लेसमेंट तक ही सीमित नहीं हैं अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। कुछ चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है। दरअसल कोरोना के बाद से प्लेसमेंट और पैकेज को लेकर हालात बहुत हद तक बदल गए हैं। यदि हम भारत की ही बात करें तो देश के शीर्ष प्रबध संस्थानों से पासआउट युवाओं को 2022 में औसत 29 लाख का पैकेज मिल रहा था तो वह 2024 आते आते 27 लाख पर आ गया है। यह सबतो देश दुनिया के शीर्ष अध्ययन संस्थानों से पासआउट युवाओं को लेकर है। सामान्य व मध्यस्तरीय संस्थानों से पासआउट युवाओं को मिलने वाला पैकेज तो बहुत ही कम होता जा रहा है। दूसरी और घर बार छोड़कर 90 घंटे तक काम करने को लेकर बहस चल रही है। एक और पिकोक कल्चर, हाईब्रीड सिस्टम और वर्क फ्राम होम से कार्यस्थल पर युवाओं को लाने की जद्दोजहद जारी है तो दूसरी और कम होते अवसर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं।

सरकारें लाख प्रयास करें या विपक्षी बेरोजगारी बढ़ने के लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये पर लगता है कि प्लेसमेंट, रोजगार और पैकेज का संकट किसी एक देश का नहीं अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इससे युवाओं में कहीं ना कहीं निराशा भी आती जा रही है। हांलाकि हार्वर्ड, शिकागो आदि के संदर्भ शिक्षा के स्तर को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता पर तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि हार्वर्ड, शिकागो या इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं में अध्ययन करने वाले कितने युवा होते हैं तो दूसरी और कितने लोगों के लिए इन संस्थाओं के अध्ययन का खर्च उठाने की क्षमता होती है। जब इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं से अध्ययन प्राप्त कर निकले युवाओं के सामने ही प्लेसमेंट या पैकेज का संकट आ रहा है तो अन्य संस्थानों से अध्ययन प्राप्त युवाओं की स्थिति क्या होगी यह अपने आपमें सोचनीय हो जाती है। जहां तक हमारे देश की बात की जाए तो यह साफ हो जाता है कि हमारे यहां एक तरह से अंधी दौड़ चलती है। एक समय था जब कुकुरमुत्ते की तरह प्रबंधन संस्थान खुले और आज हालात यह है कि निजी क्षेत्र में खुले इस तरह के संस्थानों को क्षमता के अनुसार विद्यार्थी ही नहीं मिल रहे हैं। लगभग यही स्थिति इंजीनियरिंग कालेजों की होती जा रही है। गली गली में फार्मेसी संस्थान खुलते जा रहे हैं। सौ टके का सवाल यह है कि अध्ययन संस्थान खोलने की अनुमति के साथ ही अध्ययन का स्तर भी बनाये रखने के लिए फेकेल्टी को लेकर भी मान्यता देते समय सरकार को गंभीर होना होगा। जब तक स्तरीय अध्ययन उपलब्ध नहीं होगा तब तक हम पास आउट तो करते रहेंगे पर प्लेसमेंट या अच्छे पैकेज की बात करना बेमानी होगा। सरकार को शिकागो, हार्वर्ड कोलंबिया, पेन्सिलवेनिया या इसी तरह की संस्थानों से पासआउट के साथ जो हालात बन रहे हैं उससे समय रहते सबक लेना होगा और अन्य संस्थानों में भी शिक्षण और शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी ताकि पासआउट की लंबी फोज नहीं बन सके। युवाओं में नैराश्य भी नहीं आये और देश को योग्य युवा मिल सके।

वर्ग पहेली 5677

1	2		■	3	4		5
6		■	7			■	
8				■	9	10	■
11		■	12	13			14
■	■	15			■	16	
17			■	■	18		■
	■	19		■		■	20
21			■	22			

संकेत: बाएं से दाएं

1. चौथे ओलंपिक खेलों को 31 अक्टूबर को यहां समापन हुआ (3)
3. इस देश के प्रधानमंत्री महाथिर मुहम्मद का 31 अक्टूबर 2003 को 22 वर्ष लंबे शासन का अंत हुआ (4)
6. बात, वचन, शब्द (2)
7. नमाज की सूचना के शब्द जो जोर से पुकारे जाते है (3)
8. डांटना, घुडकना (4)
9. ईश्वर, देवता, भगवान, प्रभु (2)
11. दक्ष प्रजापति की पुत्री जो कामदेव का ब्याही थी (2)
12. सबसे प्रेमपूर्वक मिलने-जुलने वाला, बहिरभिमुखी (5)
15. कस्तूरी, पाशबंधन, कस्तूरिका (2)
17. मध्यप्रदेश का एक अंचल (2)
18. स्वतंत्र, आजाद, बरी (2)
19. धूल, धूलिपुंज, गुबार, वातकेतु (2)
21. नालायक बेटा, असत्पुत्र, कुपुत्र (3)
22. अंदाजन, अंदाज से, अनकरीब (4)

ऊपर से नीचे

1. यह श्रीगणेश का एक नाम है, विनायक (4)
2. गिरोह का मुखिया, दलनायक (4)
3. आनंद, भोगलिप्सा, मनोरंजन (2)
4. आदान प्रदान, परस्परता, महाजनी (4)
5. एक पात्रीय भूमिका वाली विश्व की एकमात्र भारतीय फिल्म (1964)(2)
7. अंगूठे से तीसरी उंगली उपकनिष्ठिका (4)
10. रसहीन, रूखा, शुष्क (4)
13. अधर, रदपट, ओंठ, होंठ (2)
14. किसी को हानि पहुचाएं बिना उस जैसा बनने की भावा (उर्दू)(2)
15. नया आया हुआ, आंगतुक, नई भर्ती (4)
17. प्रेमपात्र, प्रियतक, प्रिय (3)
18. पुरानी फिल्मों के दिवंगत हास्य-अभिनेता (निधन 4 सितंबर 2000) (3)
20. तड़क-भड़क, ठाट-बाट, वैभव (2)

वर्ग पहेली 5676 का हल

ब्रि	टे	न	■	भा	र	त	■
गे	सू	■	रा	ई	■	त	■
ड	■	ह	ज	म	■	वा	दा
■	द	मा	■	हा	थ	र	स
■	■	म	हा	वी	र	■	कैं
अ	सि	■	द	र	■	क	पि
■	फ	र	सा	■	आ	ह	ट
सू	र	त	■	■	■	ना	ल

इंसानों और हाथियों के बीच बढ़ता टकराव

(प्रभाकर मणि तिवारी)

असम में बीते पांच साल के दौरान हाथियों के हमले में तीन सौ लोगों की मौत हो चुकी है। अकेले ग्वालपाड़ा जिले में ही बीते चार साल में 92 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा सरकारी है। अब असम सरकार ने हाथी और इंसान के बीच बढ़ते टकराव को रोकने की दिशा में ठोस पहल की है।

असम में बीते पांच साल के दौरान हाथियों के हमले में तीन सौ लोगों की मौत हो चुकी है। अकेले ग्वालपाड़ा जिले में ही बीते चार साल में 92 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा सरकारी है। अब असम सरकार ने हाथी और इंसान के बीच बढ़ते टकराव को रोकने की दिशा में ठोस पहल की है। इनमें मृतकों के परिजनों को मुआवजे की राशि बढ़ाने के साथ ही खेती को होने वाले नुकसान की स्थिति में मुआवजा भी बढ़ाया है। इसके अलावा कई और उपाय प्रस्तावित हैं।

इस साल के बजट में असम सरकार ने इस टकराव पर अंकुश लगाने के लिए कई नए कदम उठाने की बात कही है। वित्त मंत्री अजंता नियोग का कहना था कि ऐसी मौतों की स्थिति में मौजूदा मुआवजे की रकम चार लाख से बढ़ाकर पांच लाख कर दी गई है। इसके अलावा फसलों के नुकसान के मामले में भी मुआवजे की रकम साढ़े सात हजार प्रति बीघे से बढ़ा कर आठ हजार कर दी गई है। उनका कहना था कि इससे किसानों को कुछ राहत मिलेगी।

हाथियों के हमले में होने वाली मौतों के मामले में असम देश भर में चौथे स्थान पर है। इस मामले में बीते पांच वर्षों के आंकड़ों के मुताबिक, 624 मौतों के साथ ओडिशा पहले स्थान पर है। उसके बाद 474 और 436 मौतों के साथ क्रमशः झारखंड और पश्चिम बंगाल का दूसरा और तीसरा स्थान है। पूर्वोत्तर के बाकी राज्यों में भी इंसानों और हाथियों के बीच टकराव में मौतों की तादाद लगातार बढ़ रही है। यह तो हुआ जान का नुकसान, खड़ी फसलों और संपत्ति का नुकसान भी करोड़ों में है।

सरकार ने राज्य के उन पांच जिलों में गज मित्र योजना शुरू की है, जहां हाथियों के हमले सबसे ज्यादा होते हैं। इन इलाकों में टकराव पर अंकुश लगाने के लिए हाथियों के लिए पर्याप्त भोजन मुहैया कराने के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लैस कैमरे लगाए जाएंगे ताकि हाथियों की आवाजाही की सूचना समय रहते मिल सके। इसके साथ ही धान की खरीद भी समय से पहले की जाएगी। ग्रामीण इलाकों में खासकर धान की कटाई के बाद ही हाथियों के झुंड भोजन की तलाश में हमले करते हैं।

सरकार ने राज्य के सबसे बड़े नेशनल पार्क काजीरंगा में भी जानवरों के लिए सुविधाएं बढ़ाने और सफारी के लिए पर्यावरण के लिहाज से बेहतर और बिजली से चलने वाले वाहनों का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए बजट में 20 करोड़ का प्रावधान रखा गया है।

हाल के वर्षों में कई जानवरों की मौत बिजली के झटकों से हुई है। ऐसी घटनाएं रोकने के लिए अब हाथियों की आवाजाही के रास्तों पर सुरक्षा की जाली वाले ब्रिज बनाए जाएंगे और बिजली के खंभों के इर्द-गिर्द कड़ा घेरा बनाया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष

आज दिन सामान्य है और आपके लिए सफलता के संयोग बन रहे हैं। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी और रुका धन मिलने से आपको भाग्य का साथ मिलेगा। साझेदारी में किया गया बिजनस आपको फायदा पहुंचाएगा। घर के कामों को निपटाने का आज अच्छा मौका है।

वृष

आज सावधान रहने की जरूरत है। बिजनस में थोड़ा जोखिम उठाने से आपको बड़ा फायदा हो सकता है, लेकिन आपकी एक गलती आपका काम खराब कर सकती है। रोज के कामों से हटकर कुछ नए काम में हाथ आजमाएं। आपको किसी अपने के लिए पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है।

तुला

आज दिन फायदेमंद है और आपके सभी विवाद दूर होंगे। आपको धन सम्मान के मामले में लाभ होगा। सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। आप नए प्रॉजेक्ट पर भी काम शुरू कर सकते हैं। जमीन-जायदाद के मामले में परिवार और आसपास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक

आज करियर में लाभ का दिन है और आपको सफलता प्राप्त होने से मन काफी प्रसन्न होगा। कन्या राशि वालों को आज बातचीत में सावधानी बरतनी होगी। अपने आसपास के लोगों से झगड़ा करने से बचें। किसी शुभ काम पर चर्चा हो सकती है।

मिथुन

आज दिन रचनात्मक है और आपको हर कार्य में भाग?य का भरपूर साथ मिलेगा। आपको किसी क्रिएटिव काम को पूरा करने में सफलता मिलेगी। आप आर्टिस्टिक काम में दिन बिता सकते हैं।

कर्क

आज दिन सृजनात्मक है और आपके सभी प्रॉजेक?ट सफल होने के योग बन रहे हैं। आप जो भी काम करेंगे, उसमें भाग्य का साथ मिलेगा और आपकी मेहनत सफल होगी। अधूरे कार्य पूर्ण होंगे और आपको तरक?की प्राप?त होगी।

धनु

आज सावधान रहने की जरूरत है। बिजनस में थोड़ा जोखिम उठाने से आपको बड़ा फायदा हो सकता है, लेकिन आपकी एक गलती आपका काम खराब कर सकती है। रोज के कामों से हटकर कुछ नए काम में हाथ आजमाएं। आपको किसी अपने के लिए पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है।

मकर

आज लाभ होगा और आपकी हर योजना मन के अनुसार पूर्ण होगा। कुछ ऐसे खर्चे भी आ सकते हैं जो आपको मजबूरी में करने पड़ेंगे। आपको ससुराल पक्ष से सम्मान मिलेगा और आपका मन खुश रहेगा। आपका मन अपने व्यवसाय में लगेगा और रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे।

सिंह

आज करियर में लाभ होगा और आपके धन में वृद्धि के योग हैं। सिंह राशि वालों के लिए दिन व्यस्त रहेगा। लेकिन आपको धर्म और पढ़ाई-लिखाई के लिए थोड़ा समय निकालना चाहिए। ऑफिस में आपके सीनियर अधिकारी आपके काम में रुकावट डालने की कोशिश करेंगे।

कन्या

आज करियर में लाभ का दिन है और आपको सफलता प्राप्त होने से मन काफी प्रसन्न होगा। कन्या राशि वालों को आज बातचीत में सावधानी बरतनी होगी। अपने आसपास के लोगों से झगड़ा करने से बचें। किसी शुभ काम पर चर्चा हो सकती है।

कुंभ

आज भाग?य साथ देगा और आपका मन नई-नई चीजें खोजने में लगा रहेगा। आप जरूरत के हिसाब से ही खर्च करें और आपको अपने परिवार के लोगों से किसी प्रकार का धोखा हो सकता है। आपको सांसारिक सुख और नौकरों का सुख मिलेगा। आप शाम से रात तक आप छोटी यात्रा पर जा सकते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद रहेगी।

मीन

आज अच्छी खबर है और आपको भाग?य का पूरा साथ मिलेगा। आपको मानसिक शांति बनी रहेगी और रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे और आपको प्रमोशन मिलने की संभावना है। आप दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहेंगे और आपके घर में रात में अचानक मेहमान आ सकते हैं, जिससे काम बढ़ सकता है।

संक्षिप्त समाचार

बुजुर्गों के लिए आयोग बनाने वाला पहला राज्य बना केरल

केरल, एजेंसी। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने गुरुवार को राज्य विधानसभा में केरल राज्य वरिष्ठ नागरिक आयोग विधेयक पारित होने पर खुशी जताई। उन्होंने इसे सामाजिक कल्याण में अग्रणी बताते हुए कहा कि केरल भारत का पहला ऐसा राज्य बन गया है जिसने बुजुर्गों के कल्याण के लिए एक समर्पित आयोग की स्थापना करने वाला कानून पारित किया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, केरल देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जिसने बुजुर्गों के अधिकार, कल्याण और पुनर्वास को सुनिश्चित करते हुए बुजुर्गों के लिए एक आयोग की स्थापना करने वाला कानून पारित किया है। उन्होंने आगे कहा, सामाजिक कल्याण में अग्रणी, ॠकेरल एक बार फिर अपने बुजुर्गों को समाज में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए सशक्त बनाकर आगे बढ़ा है - अपने जन-केंद्रित विकास मॉडल को मजबूत कर रहा है। बुधवार को पारित यह विधेयक, केरल में बुजुर्गों के कल्याण के लिए एलडीएफ सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाता है और राज्य में वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक नए युग की शुरुआत करता है। आयोग का मुख्य उद्देश्य 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के कल्याण, संरक्षण और पुनर्वास को सुनिश्चित करना है। यह आयोग उनके अनुभव, नवीन विचारों और समस्या-समाधान क्षमताओं के माध्यम से समाज में योगदान करने की उनकी क्षमता को भी मान्यता देगा। आजकल बुजुर्गों की उपेक्षा, शोषण और परित्याग से संबंधित चिंताएं बढ़ती जा रही हैं। यह आयोग इन चुनौतियों को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित करने की दिशा में काम करेगा। इसके अलावा, यह वरिष्ठ नागरिकों के पुनर्वास की सुविधा के लिए सक्रिय कदम उठाएगा, उनके कौशल को व्यापक समाज में एकीकृत करेगा और उनके अधिकारों की रक्षा करेगा। इतना ही नहीं, आयोग वरिष्ठ नागरिक कल्याण और सुरक्षा से संबंधित मामलों पर नीतिगत दिशा-निर्देश प्रदान करने के लिए भी जिम्मेदार होगा। इस आयोग में एक अध्यक्ष और कम से कम चार सदस्य होंगे जिन्हें सरकार द्वारा आधिकारिक अधिसूचना के माध्यम से नियुक्त किया जाएगा। अध्यक्ष सहित सभी सदस्य वरिष्ठ नागरिक होंगे।

उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर ड्राइवरों का होगा हिल टेस्ट, लगेगा इतनी फीस-ऐसे होगा रजिस्ट्रेशन

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड चारधाम जाने वाले कॉमर्शियल वाहनों के चालकों को पहाड़ पर गाड़ी चलाने का टेस्ट होगा। हिल टेस्ट देने के लिए 150 रुपये शुल्क चुकाना होगा। इसके बाद ऋषिकेश, हरिद्वार और देहरादून स्थित आईडीटीआर झाझरा में बने ड्राइविंग ट्रैक पर हिल इंडोर्स टेस्ट होगा। चारधाम यात्रा पर बीस हजार से ज्यादा कॉमर्शियल वाहन आते हैं। ऐसे चालकों को पहाड़ पर वाहन चलाने का अनुभव होना चाहिए। ड्राइविंग लाइसेंस को हिल इंडोर्स करवाना जरूरी है। इस बार परिवहन विभाग ने यह व्यवस्था बदल दी है। अब ऑनलाइन टेस्ट की बजाय वाहन चालकों को ड्राइविंग ट्रैक पर खुद को साबित करना होगा। इस टेस्ट में विफल चालकों को चारधाम यात्रा पर जाने की अनुमति नहीं होगी। दस मिनट के इस टेस्ट के लिए 150 रुपये फीस तय की गई है, जिसे ऑनलाइन जमा किया जा सकता है। इसके बाद ऋषिकेश, हरिद्वार और आईडीटीआर झाझरा में ट्रैक पर टेस्ट देना होगा। आरटीओ (प्रशासन) देहरादून सुनील शर्मा ने बताया कि चारधाम यात्रा के दौरान सड़क हादसे रोकने के लिए हिल इंडोर्समेंट की व्यवस्था में बदलाव किया गया है, ताकि ऐसे चालक ही पहाड़ी रूट पर जाएं, जिनको इसका अनुभव हो। हिल इंडोर्स टेस्ट के लिए 150 रुपये फीस भी तय की गई है। इसलिए बदली व्यवस्था पुरानी व्यवस्था के तहत ऑनलाइन टेस्ट होता था, जिसमें 15 सवाल पूछे जाते थे। इस टेस्ट में पास होने के लिए नौ सवालों का सही जवाब देना होता था। लेकिन, इस टेस्ट की कोई निगरानी नहीं होती थी, इसलिए चालक की बजाय अक्सर दलाल यह टेस्ट देते थे। लिहाजा, परिवहन विभाग ने इस व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए यह कदम उठाया।

प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं में बीते तीन सालों में करीब 259 करोड़ रुपये का खर्च आया

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं में बीते तीन सालों में करीब 259 करोड़ रुपये का खर्च आया है। यह जानकारी सरकार की तरफ से राज्यसभा में दी गई है। बीते तीन सालों के दिए ब्योरे के अनुसार पीएम मोदी ने कुल 38 यात्राएं की हैं। इनमें अमेरिका, जापान समेत कई देश शामिल हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तरफ से इस संबंध में सवाल पूछा गया था। कांग्रेस सांसद का सवाल था कि बीते तीन सालों में भारतीय दूतावासों ने प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं की व्यवस्था में कितना खर्च किया। साथ ही होटल, ट्रांसपोर्ट समेत अलग-अलग खर्चों की जानकारी मांगी गई थी। विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री पवित्र मार्गरीटा की तरफ से इस संबंध में जवाब दिया गया था। उन्होंने ब्योरा दिया है कि पीएम मोदी ने साल 2022 में 8 देश, 2023 में 10 और 2024 में 16 देशों की यात्रा की है। इस दौरान उन्होंने 34 देशों की यात्रा की। ऐसे भी कई देश रहे, जहां वह एक से ज्यादा बार गए थे।

अखिलेश यादव बिहार में तेजस्वी को समर्थन देंगे, कांग्रेस को दिया झटका!

लखनऊ, एजेंसी। बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल का समर्थन करेगी। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव न सिर्फ यह फैसला कर चुके हैं, बल्कि अपनी पार्टी के नेताओं को इसका संदेश भी दे चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस के साथ सपा के रिश्तों में दरार बढ़नी तय मानी जा रही है। क्योंकि, कांग्रेस पहले ही खुद को मजबूत करने के लिए बिहार में अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।

पहले दिल्ली और अब बिहार में सपा ने कांग्रेस का साथ छोड़कर दूसरे दल से समझौता किया है। इसके बाद सपा और कांग्रेस के बीच उत्तर प्रदेश में चल रहे गठबंधन पर भी अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे हैं। विवाद बढ़ा, तो 2027 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा के रास्ते अलग-अलग हो सकते हैं।

दरअसल, अखिलेश यादव का मानना है कि जो दल भाजपा को हराएगा, सपा उसका साथ देगी। इसी तर्ज पर सपा ने दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की पार्टी (आप) का साथ दिया था। जबकि यूपी में सपा और कांग्रेस लोकसभा चुनाव मिलकर लड़े थे, भाजपा को हराया था। बिहार में सपा का जनाधार सीमित है। वहां उसकी संगठनात्मक ताकत भी नहीं है। तेजस्वी को समर्थन देकर सपा विपक्षी वोटों के बंटवारे को रोकना चाहती है, जिससे बीजेपी को चुनौती दी जा सके।

इसलिए बढ़ सकती है कांग्रेस और सपा में दूरी : बिहार चुनाव को लेकर कांग्रेस का रुख साफ नहीं है। ऐसे में अखिलेश यादव का यह फैसला कांग्रेस को नागवार गुजर सकता है। यूपी में 2 साल बाद विधानसभा के चुनाव हैं। सपा और कांग्रेस के बीच पहले से ही सीट-बंटवारे को लेकर तनाव रहा है। कांग्रेस के नेता कई बार कह चुके हैं कि विधानसभा चुनाव में 17-63 का फॉर्मूला नहीं चलेगा। यहां उसे बराबर की हिस्सेदारी चाहिए होगी। सपा यूपी जैसे राज्य में कभी नहीं चाहेगी कि कांग्रेस को 60-70 से अधिक सीटें दी जाएं। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि इस फैसले के पीछे अखिलेश यादव की रणनीति क्या है? राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र कुमार कहते हैं- अखिलेश का विजन साफ है। वह खुद वोट कटुआ नहीं बनना चाहते। उनकी मंशा भाजपा के खिलाफ वोटों को एकजुट करने की है।

वैसे भी सपा की मुख्य ताकत उत्तर प्रदेश में है, इसलिए बिहार में सीमित संसाधन खर्च करने के बजाय वहां आरजेडी को समर्थन देकर वह अप्रत्यक्ष प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। अखिलेश कांग्रेस को यह दिखाना भी चाहते हैं कि सपा उसके बिना भी विपक्षी गठबंधन में अपनी भूमिका तय कर सकती है। उत्तर प्रदेश में सपा के हालिया रवैये से कांग्रेस पहले ही असहज थी। बिहार में यह कदम उनके लिए यह संदेश हो सकता है कि अखिलेश क्षेत्रीय दलों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इससे कांग्रेस को लग सकता है कि उनकी राष्ट्रीय पार्टी की स्थिति कमजोर हो रही है। पहले दिल्ली के चुनाव में अरविंद केजरीवाल का साथ देना और अब आरजेडी के समर्थन की बात करके अखिलेश यादव कांग्रेस पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना रहे हैं। यह सिर्फ संदेश देने का खेल है कि यूपी से बिहार तक मुस्लिम-यादव (एमवाय) वोटों में कोई बंटवारा नहीं है। पॉलिटिकल एक्सपर्ट मानते हैं कि कुल मिलाकर अखिलेश का बिहार में आरजेडी को समर्थन सपा की सीमित ताकत को स्वीकार करते हुए विपक्षी एकता पर जोर देना ज्यादा नजर आ रहा है। यह कांग्रेस के साथ तनाव बढ़ा सकता है। खासकर, जब हाल के चुनावों में दोनों के बीच तालमेल कमजोर रहा है। बिहार में सपा का इतिहास प्रभावहीन रहा है, इसलिए यह समर्थन प्रतीकात्मक रूप से ज्यादा मायने रखता है। आरजेडी और कांग्रेस का रुख सपा की स्थिति को और साफ करेगा। कांग्रेस का एक धड़ा यह जरूर चाहता है कि पार्टी अपने बूते पर चुनाव लड़े। ऐसे लोगों के बारे में खुद राहुल गांधी भी इशारा कर चुके हैं। ऐसे में राहुल गांधी कभी नहीं चाहेंगे कि बिहार में अलग लड़कर भाजपा का रास्ता आसान बनाया जाए। आरजेडी-कांग्रेस साथ चुनाव लड़ती है, तो सपा पर क्या प्रभाव पड़ेगा? अगर ऐसा होता है तो इंडी गठबंधन के लिए यह सुकून भरा हो सकता है। सपा का आरजेडी को समर्थन विपक्षी गठबंधन को मजबूत करेगा। वहीं, अगर कांग्रेस आरजेडी से अलग होकर चुनाव लड़ती है तो इससे कांग्रेस और सपा के बीच तकरार बढ़ना तय माना जाएगा।

केंद्रीय मंत्री राजभूषण निषाद के रिश्तेदार पर हमला, बेगूसराय में ताबड़तोड़ फायरिंग से हड़कंप

बेगूसराय, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री राजभूषण चौधरी निषाद के रिश्तेदार पर बिहार के बेगूसराय में हमला हुआ है। जिले के कुंभी गांव में गुरुवार रात को एक दुकान पर बेखौफ अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस वारदात से हड़कंप मच गया। दुकानदार मालिक सहनी (55) गोली लगने से घायल हो गए। वे केंद्रीय जलशक्ति राज्यमंत्री एवं मुजफ्फरपुर से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद राजभूषण चौधरी निषाद के चचेरे मामा हैं। उनका बेगूसराय के सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक दिन पहले ही भागलपुर जिले के नवगछिया में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के भांजे की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

जानकारी के अनुसार मंत्री राजभूषण चौधरी निषाद का ननिहाल बेगूसराय जिले में है। कुंभी गांव के भगवती चौक पर उनके चचेरे मामा मालिक सहनी दूध डेयरी की दुकान चलाते हैं। दो दिन पहले कुछ लोग बाइक पर सवार होकर एक शख्स दुकान पर आया था। उस वक्त मालिक का बेटा विकास दुकान पर था। उधार में कोल्डड्रिंक नहीं देने पर उसने जान से मारने की धमकी दी थी।

मालिक सहनी ने बताया कि गुरुवार रात को जब वह दुकान पर थे, तब दोनों बदमाश दोबारा आए और फायरिंग करने लगे। 3 गोलियां दुकान में जा घुसी। इसमें से एक गोली उनके दाहिने पैर में लगी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

दूसरी ओर, नवगछिया के परबत्ता थाना क्षेत्र में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के दो भांजों के बीच नल का पानी भरने को लेकर विवाद हो गया था।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर आए बड़े-बड़े ग्लेशियर, हटाने में जुटे हैं मजदूर

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम की यात्रा तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर शीतकाल में हुए हिमपात के दौरान पड़े बड़े-बड़े ग्लेशियरों को काटकर रास्ता तैयार किया जा रहा है। लगभग 70 मजदूर इन ग्लेशियरों को काटने में लगे हुये हैं। धाम सहित पैदल मार्ग में दिन के बाद मौसम खराब हो रहा है, जिसके चलते बर्फ हटाने में भी दिक्कत आ रही है। अब तक मजदूरों की टीम टीएफ प्वाइंट तक बर्फ को साफ कर चुकी है। पैदल मार्ग पर नेटवर्क की सुविधा नहीं होने से संपर्क साधने में परेशानी हो रही है। कार्य की जानकारी देने के लिए जंगलचट्टी आना पड़ रहा है। एक तरफ आने में ही करीब 5 से 6 किलोमीटर चलना पड़ता है।

दरअसल शीतकाल में केदारनाथ धाम में भारी बर्फबारी हुई है। बर्फबारी के कारण पैदल यात्रा मार्ग के पांच से अधिक स्थानों पर बड़े-बड़े ग्लेशियर बने हुये हैं। दो मई से केदारनाथ धाम की यात्रा शुरू होनी है। ऐसे में प्रशासन स्तर से तैयारियां तेजी के साथ शुरू हो गई हैं। सबसे पहले केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग को आवाजाही के लिए बनाया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग गुप्तकाशी के 70 मजदूर पैदल मार्ग को दुरुस्त करने में जुटे हुए हैं। विषम परिस्थितियों में पैदल मार्ग पर बने बड़े-बड़े ग्लेशियरों को काटकर रास्ता तैयार किया जा रहा है।

राहुल गांधी बोले- 98 साल पहले शुरू हुई हिस्सेदारी की लड़ाई जारी है

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को जाने-माने शिक्षाविद, अर्थशास्त्री, दलित विषयों के जानकार और तेलंगाना में जातिगत सर्वेक्षण पर बनी अध्ययन समिति के सदस्य प्रो. सुखदेव थोराट से बाबा साहेब आंबेडकर के महाड़ सत्याग्रह के महत्व पर चर्चा की। इस चर्चा का वीडियो राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा किया है।

वीडियो के साथ पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, 98 साल पहले शुरू हुई हिस्सेदारी की लड़ाई जारी है। 20 मार्च 1927 को बाबासाहेब आंबेडकर ने महाड़ सत्याग्रह के जरिए जातिगत भेदभाव को सीधी चुनौती दी थी। यह केवल पानी के अधिकार की नहीं, बल्कि बराबरी और सम्मान की लड़ाई थी। इस चर्चा में दलितों की शासन, शिक्षा, नौकरशाही और संसाधनों तक पहुंच के लिए जारी संघर्ष पर भी विस्तार से बातचीत की गई। राहुल गांधी ने कहा कि बाबासाहेब आंबेडकर का सपना आज भी अधूरा है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनकी लड़ाई सिर्फ अतीत की नहीं, बल्कि आज की भी लड़ाई है और कांग्रेस इसे पूरी ताकत से लड़ेगी। जातिगत जनगणनाः असमानता के खिलाफ महत्वपूर्ण कदम राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना को असमानता की सच्चाई को सामने लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं, वे इस सच्चाई को बाहर आने देना नहीं

चाहते। उनका मानना है कि जातिगत जनगणना से समाज में व्याप्त असमानता की गहरी जड़ों का पता चलेगा, जिससे न्यायपूर्ण और समावेशी नीतियां बनाने में मदद मिलेगी।

तेलंगाना में आरक्षणः एक क्रांतिकारी कदम राहुल गांधी ने तेलंगाना सरकार द्वारा जाति सर्वेक्षण के आधार पर आरक्षण लागू करने के निर्णय की सराहना की। तेलंगाना, जाति सर्वेक्षण के आधार पर आरक्षण लागू करने वाला पहला राज्य बनने जा रहा है। विधानसभा ने हाल ही में सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने संबंधी एक विधेयक पारित किया है। राहुल गांधी ने इस कदम को क्रांतिकारी बताते हुए कहा कि यह देश भर में जाति जनगणना कराने की कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने पिछड़े वर्गों को उनके उचित अधिकार दिलाने के लिए वैज्ञानिक जाति गणना डेटा का उपयोग किया हैय उन्होंने आगे कहा कि पूरे देश को इसकी जरूरत है और जाति जनगणना निश्चित रूप से भारत में होगी।

भारत में दौड़ रही हैं कुल 136 वंदे भारत एक्सप्रेस

नईदिल्ली, एजेंसी। सेमी हाईस्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस का डेब्यू हुए 6 साल बीत चुके हैं। 2019 से शुरू हुई रफ्तार की यह कहानी अब 136 सेवाओं तक पहुंच चुकी है। इनमें लगातार इजाफा भी जारी है। अब रेलवे वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर वर्जन को भी पटरियों पर उतारने की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही यात्री लंबी दूरी का सफर आराम से तय कर सकेंगे।

वंदे भारत ट्रेनें अब कई शताब्दी ट्रेन मार्गों पर उपलब्ध हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस भारत की सबसे तेज ट्रेन है और 180 किमी/घंटा तक की गति तक पहुंचने में सक्षम है। अब तक, यह दिल्ली और वाराणसी जैसे छोटे और मध्यम दूरी के प्रमुख शहरों को जोड़ती है।

कैसे हुई शुरुआत : 15 फरवरी 2019 को नई दिल्ली-कानपुर-इलाहाबाद-वाराणसी मार्ग पर 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने वाली पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई गई थी। मेक इन इंडिया अभियान के तहत इन ट्रेनों को पटरियों पर उतारा गया था। आम ट्रेनों के मुकाबले वंदे भारत एक्सप्रेस रफ्तार से लेकर सुरक्षा स्तर तक कई सुविधाओं से लैस है।

क्या हैं विशेषताएं : वंदे भारत एक्सप्रेस में एग्जीक्यूटिव क्लास में रिक्लाइनिंग एर्गोनोमिक सीटें, सभी कोच में सीसीटीवी और हर सीट पर मोबाइल चार्जिंग सॉकेट, ऑटोमैटिक दरवाजे, पेंट्री में हॉट केस, वॉटर कूलर, डीप फ्रीजर, हर कोच में आपातकालीन खिड़कियां, अलार्म पुश और टॉक बैक यूनिट्स हैं। ये ट्रेनें 160 किमी की रफ्तार से दौड़ सकती हैं।

स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस : रेल मंत्रालय ने 3 जनवरी को बताया था कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने पिछले तीन दिनों में अपने कई परीक्षणों में 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की है। जनवरी के अंत तक यह परीक्षण जारी रहेंगे। उसके बाद देश भर के रेल यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह विश्व-स्तरीय यात्रा उपलब्ध कराई जाएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसका एक वीडियो भी एक्स पर पोस्ट किया था।

क्या होगा खास : इन वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को स्वचालित दरवाजे, बेहद आरामदायक बर्थ, ऑन बोर्ड वाई-फाई और विमान जैसी डिज़ाइन जैसी सुविधाओं के साथ डिज़ाइन किया गया है। देश में यात्री पहले से ही मध्यम और छोटी दूरी पर चलने वाली 136 वंदे भारत ट्रेनों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

दिवाली पर बोनस ना मिलना और सैलरी कटने से नाराज ड्राइवर ने गाड़ी में लगाई आग, 4 की मौत

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र में पुणे के हिंजेवड़ी में एक गुस्साए टेंपो ड्राइवर ने वाहन में आग लगा दी। आग लगने से एक ग्राफिक्स कंपनी के चार कर्मियों का मौत हो गई। पहले इसे एक हादसा माना जा रहा था, लेकिन पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। टेंपो ड्राइवर कर्मियों से विवाद और सैलरी में वृद्धि ने होने के चलते वह नाराज था और गुस्से में आकर उसने इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ड्राइवर ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी टेंपो ड्राइवर का नाम जनार्दन हंबार्डिकर है, जो पुणे के कोथरूड का निवासी है। डीसीपी विशाल गायकवाड़ ने बताया कि आरोपी ड्राइवर हिंजेवड़ी में स्थित एक ग्राफिक्स कंपनी में ड्राइवर है और उसने बुधवार सुबह टेंपो में आग लगाई थी। इस हादसे में कंपनी के चार कर्मचारियों की मौत हो गई है। इसके अलावा 6 मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। वहीं, कुछ लोगों ने किसी तरह वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। पुलिस पहले इस शॉट सर्किट के चलते आग लगने की घटना मान रही थी, लेकिन जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी जनार्दन हंबार्डिकर ने रंजिशन इस वारदात को अंजाम दिया है। बता दें, आरोपी ड्राइवर जनार्दन का कंपनी के स्टाफ से विवाद हो गया था। इसके बाद उसे दीवाली पर बोनस नहीं दिया गया और उसकी

सैलरी भी काट ली गई थी, इससे वह बेहद नाराज था। पुलिस उपायुक्त विशाल गायकवाड़ ने बताया कि ड्राइवर ने गाड़ी में पहले केमिकल रखा और उसके बाद सीट के नीचे कपड़ा रख दिया। उसके बाद उसने गाड़ी में आग लगा दी और किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई। गाड़ी में केमिकल की वजह से बड़ा विस्फोट हुआ और उसके बाद पूरी गाड़ी ने आग पकड़ ली। जिससे चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गाड़ी में कुल 12 लोग सवार थे। चार लोगों की जलने से मौत हो गई, वहीं, 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज किया जा रहा है।

लाल की जगह गुलाबी रिबन देख भड़के विधायक समसुल, कर्मचारी को केले के पेड़ से मारा

बिलासिपारा, एजेंसी। बिलासीपारा की सड़कों पर इन दिनों एक ही चर्चा है- एआईयूडीएफ के विधायक समसुल हुदा और उनका वह गुस्सा, जो अब सुर्खियों का हिस्सा बन चुका है। एक छोटा-सा समारोह, एक गुलाबी रिबन और कुछ गायब ईंटें- ये वो चिंगारियां थीं, जिन्होंने विधायक साहब के गुस्से को भड़का दिया। नतीजा- एक कर्मचारी को गाली देना, हाथ उठाना, केले का पौधा उखाड़कर खूब पिटाई करना। यह घटना 18 मार्च को बिलासिपारा के सुवापाटा में एक शिलान्यास समारोह के दौरान हुई, जिससे धुबरी जिले में भारी आक्रोश फैल गया है। यहां दैखोवा मार्केट में एक पुल की आधारशिला रखने का समारोह चल रहा था। विधायक समसुल हुदा वहां मुख्य अतिथि थे। मिली जानकारी के अनुसार, विधायक हुदा दोपहर 3 बजे अपने विधानसभा क्षेत्र में सड़क और पक्का पुल निर्माण कार्य के शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे थे। शुरुआत में समारोह सामान्य रूप से चल रहा था, लेकिन तभी उनकी नजर पड़ी उस गुलाबी रिबन पर, जिसे लाल रिबन की जगह इस्तेमाल किया गया था। नारियल तोड़ने के लिए ईंटें भी नहीं थीं। नींव पत्थर के पास रखे केले के पेड़ की ऊंचाई से भी विधायक साहब को दिक्कत हुई। बस, यहीं से शुरू हुआ तमाशा। लोगों की

मानें तो विधायक साहब का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। गुस्से में उन्होंने ठेकेदार के कर्मचारी सहिदुर रहमान को कॉलर से पकड़ा, थप्पड़ जड़ा और पास में लगा वही छोटा सा केला का पौधा उखाड़कर उससे हमला कर दिया। यह सब कुछ सेकंड में हुआ, लेकिन इसका असर अब तक गूंज रहा है। यह घटना किसी सस्ते फिल्मी ड्रामे से कम नहीं थी। और जैसे ही इसका वीडियो सोशल मीडिया पर पहुंचा, लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। कोई इसे कुर्सी का अहंकार बता रहा है, तो कोई विधायक की मानसिक स्थिति पर सवाल उठा रहा है। एक यूजर ने लिखा, जनता के सेवक ऐसे व्यवहार करेंगे, तो भरोसा किस पर करें? पीड़ित सहिदुर रहमान की आवाज में दर्द साफ झलक रहा था। उसने कहा, मैं तो अपना काम कर रहा था। विधायक साहब को इतना गुस्सा क्यों आया, समझ नहीं आता। यह सवाल सिर्फ सहिदुर का नहीं, बल्कि पूरे बिलासिपारा के लोगों का है। घटना के बाद पीड़ित रहमान ने उसी रात गौरीपुर थाने में एफआईआर दर्ज करवाई, जिसे बाद में बिलासिपारा पुलिस स्टेशन ट्रांसफर किया गया। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 115(2), 8296, 352 और 351(2) के तहत केस दर्ज किया गया है।

आईपीएल 2025:

अब और रोमांचक होगा इंडिया का त्योहार

आईपीएल में पहली बार क्या-क्या दिखेगा?

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग जिसे इंडिया का त्योहार भी कहा जाता है, इसके 18वें सीजन की शुरुआत 22 मार्च से होने जा रही है. आईपीएल का ये सीजन अभी तक का सबसे खास सीजन होने वाला है. आईपीएल 2025 से पहले बीसीसीआई ने कई बड़े फैसले लिए हैं, जिससे ये लीग और रोमांचक हो गई है. इस बार आईपीएल में कुल 3 नए नियम देखने को मिलेंगे, जिसका इस्तेमाल इस लीग में कभी नहीं किया गया था. वहीं, 2 खिलाड़ी बतौर कप्तान पहली बार खेलते हुए नजर आएंगे. आईपीएल 2025 में खिलाड़ियों की कमाई में बंपर फायदा देखने को मिलेगा. दरअसल, अभी तक खिलाड़ियों को ऑक्शन में लगी बोली का ही पैसा मिलता था. लेकिन इस बार ये खिलाड़ियों को मैच फीस भी दी जाएगी. टीम शीट में शामिल 12 खिलाड़ियों को हर मैच 7.5 लाख रुपए दिए जाएंगे. हालांकि जो खिलाड़ी मैच का हिस्सा नहीं होंगे, उन्हें मैच फीस नहीं मिलेगी. इस नियम से सबसे ज्यादा फायदा उन खिलाड़ियों को मिलेगा, जो ऑक्शन में 30 लाख या 50 लाख रुपए में खरीदे गए थे.

वाइड के लिए बॉल ट्रैकिंग का इस्तेमाल

अब टीमें ऊंचाई और ऑफ साइड वाइड के लिए डीआरएस का इस्तेमाल कर सकेंगी. ऑफ-स्टंप के बाहर की वाइड और ऊंचाई वाली वाइड पर फैसला करने के लिए हॉक आई और बॉल ट्रैकिंग की मदद ली जाएगी. आईपीएल 2024 में ओवर द वेस्ट और नौ बॉल को मापने के लिए जिस तकनीक का इस्तेमाल किया गया था, वही तकनीक ओवर द हेड वाइड और ऑफ साइड वाइड के मामले में भी लागू की जाएगी.

3 गेंदों से पूरा करवाया जाएगा एक मैच

आईपीएल 2025 के डे-नाइट मैचों में 3 गेंदों का इस्तेमाल किया जाएगा. जिसके तहत पहली पारी में एक गेंद का इस्तेमाल होगा. वहीं, दूसरी पारी में दो गेंदों का इस्तेमाल किया जा सकेगा. दरअसल, ओस के प्रभाव को कम करने के लिए नियम के मुताबिक मैच की दूसरी पारी में 11वें ओवर के बाद एक नई गेंद का इस्तेमाल किया जाएगा. इसके अलावा आईपीएल 2025 में गेंदबाज सलाइवा का इस्तेमाल कर सकेंगे. सलाइवा का इस्तेमाल कोविड-19 के बाद से बैन था.

पहली बार कप्तानी करेंगे ये दो खिलाड़ी

आईपीएल 2025 के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रजत पाटीदार को अपनी टीम का कप्तान बनाया है. बता दें रजत पाटीदार पहली बार इस लीग में कप्तानी करते हुए नजर आएंगे. वहीं, राजस्थान की टीम ने रियान पराग को शुरुआती 3 मैचों के लिए टीम की कमान सौंपी है. वह भी पहली बार इस लीग में कप्तानी करते हुए नजर आएंगे.

कोहली के गिफ्ट का कमाल

युवा क्रिकेटर ने माना- इसे पहनकर कमाल हो गया

मेलबर्न, एजेंसी। युवा भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) 2024-25 के मेलबर्न टेस्ट में उनके ऐतिहासिक शतक में उनके आदर्श विराट कोहली के जूतों की अहम भूमिका रही। नीतीश ने कहा कि मैंने उस शतक के दौरान विराट भाई के जूते पहने थे। जब उन्होंने मुझसे मेरे जूते का साइज पूछा, तो मैंने सही अनुमान लगाया और उनके जूते पहन लिए। मैंने मैच के दौरान इसे पहना था। कमाल हो गया और मैं शतक लगाने में कामयाब रहा। नीतीश का यह पहला टेस्ट शतक था जोकि भारत के लिए मुश्किल हालात में आया।

इसके बाद नीतीश की प्रतिभा भी दुनिया के सामने आई। नीतीश ने आगे कहा कि कोहली जैसे दिग्गज के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना और उनके जूतों में शतक जड़ना उनके लिए सपने जैसा था। यह खबर क्रिकेट प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बन गई है, जो नीतीश की सादगी और कोहली के प्रभाव को दर्शाती है। नीतीश ने पिछले सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अपनी टीम के आईपीएल फाइनल में पहुंचने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 303 रन बनाए और तीन विकेट लिए। एक बेहतरीन ऑलराउंडर बनने के लिए दृढ़ संकल्पित नीतीश ने बांग्लादेश के खिलाफ अपने डेब्यू मैच से पहले हार्दिक पांड्या से भी सलाह ली थी। नीतीश ने खुलासा किया कि ड्रेसिंग रूम में सभी ने आकर मुझे बधाई दी, लेकिन मैं सिर्फ एक व्यक्ति की तलाश में था - उम्मीद कर रहा था कि वह आकर मुझसे बात करेगा।

आईपीएल में छाने को तैयार हैं ये अनकैप्ड खिलाड़ी... गरजेगा बल्ला, आग उगलेंगी गेंदें

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 सीजन का आगाज कल होने जा रहा है. इस बार टूर्नामेंट में सुपरस्टार्स पर तो सभी की नजरें रहेंगी ही, बल्कि उन नई भारतीय प्रतिभाओं पर भी नजरें रहेंगी, जो अनकैप्ड हैं और इस बड़े मंच पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं. हर सीजन में लीग नए हीरो यंग क्रिकेटरों को सामने लाती है, जो निडर बल्लेबाजी, शानदार स्पेल और खेल को बदलने का दम रखते हैं. आइए आपको ऐसे ही कुछ चुनिंदा क्रिकेटरों के बारे में आपको बताने जा रहे हैं.

मुशीर खान (पंजाब किंग्स): 20 वर्षीय मुशीर 30 लाख रुपये में पंजाब किंग्स में शामिल हुए हैं. वो दाएं हाथ के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज हैं, वहीं बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाजी करते हैं. सरफराज खान के छोटे भाई मुशीर 2024 के अंडर-19 वर्ल्ड कप में सुर्खियों में आए थे. उन्होंने पिछले साल मुंबई के लिए दोहरा शतक लगाकर धमाकेदार तरीके से अपने रणजी ट्रॉफी करियर की शुरुआत की. उनके टी20 के आंकड़े अभी शुरुआती ही हैं, लेकिन नए कप्तान श्रेयस अय्यर और कोच रिकी पोंटिंग के नेतृत्व में पंजाब किंग्स उन्हें मध्य क्रम में शामिल कर सकती है या स्पिन के अनुकूल पिचों पर पांचवें गेंदबाजी विकल्प के रूप में काम कर सकती है.

रॉबिन मिंज (मुंबई इंडियंस): अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी शैली के लिए जाने जाने वाले मिंज कुछ ही ओवरों में खेल का रुख बदल सकते हैं. बाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज को मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 की नीलामी में 65 लाख रुपये में खरीदा था. एमआई के स्काउटिंग नेटवर्क ने उनकी क्षमता को पहले ही पहचान लिया था. इस बार मुंबई इंडियंस के टीम सेटअप में ईशान किशन नहीं हैं, ऐसे में मिंज का पावर गेम उनकी जगह ले सकता है. 22 वर्षीय खिलाड़ी ने अब तक सिर्फ दो प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं, लेकिन झारखंड के लिए एज कैटगरी वाले टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा दिखाई है.

सी आंद्रे सिद्धार्थ (चेन्नई सुपर किंग्स): 18 वर्षीय आंद्रे सिद्धार्थ ने घरेलू सर्किट में सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है. एक पॉडकास्ट में भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने भी सिद्धार्थ की तारीफ की. ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी और एमएस धोनी की देखरेख में सिद्धार्थ सीएसके के माहौल में खूब फल-फूल सकते हैं. हालांकि सीएसके की मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप को देखते हुए उन्हें तुरंत खेलने का मौका शायद ही मिले, लेकिन उनके घरेलू प्रदर्शन से पता चलता है कि अगर जरूरत पड़ी तो वे आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं. स्पिन खेलने की उनकी आदत उन्हें चेपॉक की टर्निंग ट्रैक पर खूब फल-फूलने में मदद कर सकती है.

समीर रिजवी (दिल्ली कैपिटल्स): अपनी तेज-तर्रार बल्लेबाजी के लिए मशहूर रिजवी कैपिटल्स के लिए संभावित मैच विजेता हैं. 21 वर्षीय रिजवी ने 2023 में उत्तर प्रदेश टी20 लीग के दौरान 188.80 के शानदार स्ट्राइक-रेट से सिर्फ नौ पारियों में 455 रन बनाकर सुर्खियां बटोरी थीं. उन्होंने 35 छक्के लगाए और टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक (47 गेंदों पर) जड़ा.

इस शानदार फॉर्म की वजह से 2024 की आईपीएल नीलामी में उनको सीएसके ने 8.4 करोड़ रुपये में खरीदा. हालांकि वो अपने डेब्यू सीजन की 5 पारियों में महज 51 रन ही बना सके. इस बार रिजवी को 95 लाख रुपये में दिल्ली केपिटल्स ने अपनी टीम में जोड़ा. ऐसे में वो DC के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए दिख सकते हैं.

अंशुल कंबोज (चेन्नई सुपर किंग्स): हरियाणा के एक होनहार दाएं हाथ के तेज गेंदबाज और ऑलराउंडर कंबोज को आईपीएल 2025 की नीलामी के दौरान सीएसके ने 3.40 करोड़ रुपये में साइन किया. जो उनके बेस प्राइस 20 लाख रुपये से काफी ज्यादा है. 6 फीट 2 इंच की लंबाई वाले 24 वर्षीय कंबोज नई गेंद को दोनों तरफ स्विंग कर सकते हैं.

उनकी लंबाई की वजह से उनको पिच से अतिरिक्त उछाल मिलती है, जो बल्लेबाजों के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करती है. नवंबर 2024 में कंबोज के करियर में एक ऐतिहासिक क्षण आया, जब उन्होंने रणजी ट्रॉफी के इतिहास में एक पारी में सभी 10 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बनकर सुर्खियां बटोरीं. उन्होंने रोहतक में केरल के खिलाफ हरियाणा के मैच के दौरान 30.1 ओवर में 10/49 के आंकड़े दर्ज करते हुए यह उपलब्धि हासिल की.

वैभव सूर्यवंशी (राजस्थान रॉयल्स): बिहार के 13 वर्षीय प्रतिभाशाली क्रिकेटर वैभव को पिछले साल नवंबर में आईपीएल मेगा नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपये में चुना था. सूर्यवंशी ने आईपीएल इतिहास में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के रूप में सुर्खियां बटोरीं. वैभव ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ भारत अंडर-19 के लिए 58 गेंदों में शतक जड़ा था, जो यूथ टेस्ट में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक था. उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में 42 गेंदों में 71 रनों की तूफानी पारी खेली थी. वैभव की क्रिकेट की जर्नी बिहार के समस्तीपुर जिले के ताजपुर गांव से शुरू हुई, जहां उनके किसान पिता संजीव ने घर पर ही उनकी प्रतिभा को निखारा. वैभव राजस्थान की टीम में हैं, जहां वो हेड कोच राहुल द्रविड़ के सान्निध्य में रहेंगे, ऐसे में उनको वहां खूब संवरने का मौका मिलेगा.

राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए भारत ने लगाई बोली

● 2010 में आखिरी बार हुआ था देश में आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए बोली पेश की है। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया कि खेलों की मेजबानी में दिलचस्पी दिखाने से संबंधित दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च थी।

आईओए और गुजरात ने लगाई बोली

सूत्र ने बताया कि भारतीय ओलंपिक संघ ने मेजबानी के लिए जरूरी दस्तावेज कुछ दिन पहले भेजे हैं। सूत्र ने कहा- हां, यह सच है, भारत की बोली आईओए और गुजरात राज्य द्वारा प्रस्तुत की गई है। बता दें कि, अगर भारत की बोली स्वीकार कर ली जाती है और देश को मेजबानी मिलती है तो इसका आयोजन गुजरात के अहमदाबाद में होगा।

हाल ही में खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा था कि देश खेलों की मेजबानी करने में रुचि रखता है। भारत ने अंतिम बार 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी और देश का लक्ष्य 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने का भी है।

न्यूजीलैंड-पाकिस्तान:

पाकिस्तान ने 16 ओवर में हासिल किया 205 रन का लक्ष्य

नवाज ने ठोका तूफानी शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। हसन नवाज के तूफानी शतक (44 गेंदें) की बदौलत पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में 16 ओवर में 207 रन बनाते हुए 9 विकेट से धमाकेदार जीत दर्ज की। नवाज के अलावा कप्तान सलमान आगा ने अर्धशतक लगाया और इस जीत में अपना योगदान दिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान की सीरीज जीतने की संभावनाए एक बार फिर जाग उठी हैं। सीरीज में न्यूजीलैंड 2-1 से आगे है और दो मैच बाकी हैं। न्यूजीलैंड से मिले 205 रन के लक्ष्य के जवाब में पाकिस्तान ने शानदार शुरूआत करते हुए पहले और एक मात्र विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी की। मोहम्मद हारिस और नवाज के बीच 74 रन की साझेदारी 5.5 ओवर में टूटी जब जैकब डफी की गेंद पर हारिस मिशेल हे के हाथों कैच आउट हुए। हारिस ने 20 गेंदों पर 4 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 41 रन बनाए।

इस आउट के बावजूद पाकिस्तान ने आक्रामक रूख अपनाया और नवाज तथा आगा पाकिस्तान को जीत दिलाकर वापस लौटे। नवाज ने 45 गेंदों पर 10 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 105 रन बनाए जबकि आगा ने 31 गेंदों पर 6 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 51 रन ठोके।

इससे पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आग ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में फिन ऐलन (शून्य) का विकेट गवां दिये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्क चैपमैन ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की शुरुआत की। उन्होंने टिम साइफर के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 रनों की साझेदारी की।

वर्ल्ड-क्लास भारतीय अंपायर अनिल चौधरी हुए रिटायर, आईपीएल 2025 में इस नए रोल में कर सकते हैं डेब्यू आईपीएल

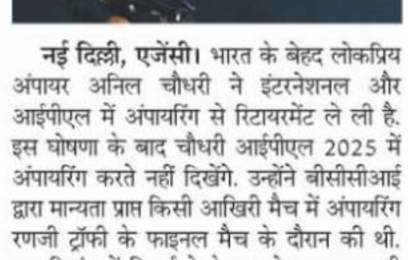

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के बेहद लोकप्रिय अंपायर अनिल चौधरी ने इंटरनेशनल और आईपीएल में अंपायरिंग से रिटायरमेंट ले ली है. इस घोषणा के बाद चौधरी आईपीएल 2025 में अंपायरिंग करते नहीं दिखेंगे. उन्होंने बीसीसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त किसी आखिरी मैच में अंपायरिंग रणजी ट्रॉफी के फाइनल मैच के दौरान की थी. उस भिड़ंत में विदर्भ ने केरल को हराकर रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता था.

हाल ही में यह भी खुलासा हुआ कि चौधरी इस बार कमेंटेटर के तौर पर अपना आईपीएल डेब्यू करने वाले हैं. वहीं बतौर अंपायर उनका आखिरी इंटरनेशनल मैच भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया ओड़ीआई मैच रहा, जो 27 सितंबर 2023 को खेला गया था. उस मैच में कंगारू टीम 66 रनों से विजयी रही थी. उनकी उम्र 60 वर्ष हो चुकी है, यही उनकी रिटायरमेंट का कारण भी है. एक मीडिया रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि अब उन्होंने अंपायरिंग करियर को अलविदा कहने का निर्णय ले लिया है, लेकिन अगले सीजन से कमेंट्री करते हुए नजर आएंगे.

नेशनल लीग फुटबॉल

क्रोएशिया ने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराया, पनामा ने अमेरिका को बाहर किया

जाग्रेब, एजेंसी। एंटे बुदिमिर ने गुरुवार को खेले गए मैच में 26वें मिनट में इवान पेरीसिक के क्रॉस पर क्रोएशिया को बढ़त दिलाई। पेरिसिक ने पहले हाफ के स्टॉपेज समय में बढ़त को दोगुना कर एम्बाप्पे की अपनी राष्ट्रीय टीम में छह महीने के बाद वापसी को फीका कर दिया।

क्रोएशिया ने नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में उलटफेर करते हुए 2022 विश्व कप की उपविजेता टीम फ्रांस को क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में 2-0 से हरा दिया। क्रोएशिया की टीम ने शानदार डिफेंस दिखाया और किलियन एम्बाप्पे और ओस्मान डेम्बेले की आक्रामक जोड़ी पर अंकुश लगाने में कामयाब रही। एंटे बुदिमिर ने गुरुवार को खेले गए मैच में 26वें मिनट में इवान पेरीसिक के क्रॉस पर क्रोएशिया को बढ़त दिलाई। पेरिसिक ने पहले हाफ के स्टॉपेज समय में बढ़त को दोगुना कर एम्बाप्पे की अपनी राष्ट्रीय टीम में छह महीने के बाद वापसी को फीका कर दिया। एम्बाप्पे ने पहले हाफ में कई बार डोमिनिक लिवाकोविच की परीक्षा ली लेकिन क्रोएशिया के गोलकीपर ने कुछ अच्छे बचाव करके उनके प्रयासों को विफल कर दिया। यह छह सितंबर को इटली से 3-1 की हार के बाद पहला अवसर था जबकि एम्बाप्पे फ्रांस की तरफ से खेल रहे थे। पहले चरण के अन्य क्वार्टरफाइनल मैचों में जर्मनी ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए इटली को 2-1 से हराया, गत चैंपियन स्पेन ने नीदरलैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रा खेला और डेनमार्क ने पुर्तगाल को 1-0 से पराजित किया।

पनामा ने गत चैंपियन अमेरिका को हराया

वहीं, सेसिलियो वॉटरमैन ने दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम के चौथे मिनट में गोल किया जिससे पनामा तीन बार के गत चैंपियन अमेरिका को 1-0 से हराकर कॉनकाफ नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने में सफल रहा।

जिमनास्ट

प्रणति नायक का FIG विश्व कप में शानदार प्रदर्शन, वॉल्ट फाइनल के लिए क्वालिफाई किया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रणति ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक से पहले काहिरा में एफआईजी अप्लायन्सेज विश्वकप की महिला वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। भारतीय जिमनास्ट प्रणति नायक ने तुर्की के अंताल्या में एफआईजी अप्लायन्सेज विश्व कप के क्वालिफिकेशन राउंड में तीसरा स्थान हासिल कर वॉल्ट फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। तोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली 29 वर्षीय प्रणति ने वॉल्ट क्वालिफिकेशन में 13.317 के कुल स्कोर के साथ फाइनल में जगह बनाई। वह जयला हैंग (13.783) और क्लेयर पीज (13.584) की अमेरिकी जोड़ी से पीछे रहीं। प्रणति के कोच अशोक कुमार मिश्रा ने कहा, प्रणति ने क्वालीफिकेशन में अच्छा प्रदर्शन किया और अगर वह फाइनल में इससे बेहतर प्रदर्शन करती है तो पदक जीत सकती है। प्रणति ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक से पहले काहिरा में एफआईजी अप्लायन्सेज विश्वकप की महिला वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 2019 (उलानबटोर) और 2022 (दोहा) में एशियाई चैंपियनशिप में वॉल्ट में कांस्य पदक जीते थे।

स्वीस ओपन बैडमिंटन:

शंकर सुब्रमण्यम ने किया बड़ा उलटफेर, विश्व नंबर दो एंटोनसेन को हराकर किया बाहर

बासेल, एजेंसी। तमिलनाडु के रहने वाले सुब्रमण्यन के करियर की यह सबसे बड़ी जीत है। उनका अगला मुकाबला फ्रांस के विश्व में 31वें नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव से होगा। भारत के शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन ने डेनमार्क के विश्व में नंबर दो खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसेन को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में उलटफेर का शिकार बनाकर योनेक्स स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2022 के रजत पदक विजेता और मौजूदा समय में दुनिया में 64वें नंबर के 21 वर्षीय खिलाड़ी सुब्रमण्यन ने अपने शानदार डिफेंस और प्रभावशाली स्मैश का कमाल दिखाते हुए तीन बार के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता को 66 मिनट में 18-21 21-12 21-5 से हराया। तमिलनाडु के रहने वाले सुब्रमण्यन के करियर की यह सबसे बड़ी जीत है। उनका अगला

मुकाबला फ्रांस के विश्व में 31वें नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव से होगा जिन्होंने इस सत्र में अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। सुब्रमण्यन टूर्नामेंट में बचे एकमात्र भारतीय एकल खिलाड़ी हैं, जबकि त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है।

विश्व में नौवें नंबर की भारतीय जोड़ी में गुरुवार को खेले गए मैच में जर्मनी की एमिली लेहमैन और सेलिन हब्श को 21-12, 21-8 से हराया। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में इशरानी बरुआ चीन की हान कियान शी से 63 मिनट में 19-21, 21-18, 18-21 से जबकि अनुपमा उपाध्याय महिला एकल के एक अन्य मैच में इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी से 17-21, 19-21 से हार गईं। सतीश करुणाकरन और आद्या वरियाथ की मिश्रित युगल जोड़ी को लियू कुआंग हेंग और झेंग यू चीह से 14-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। सुब्रमण्यन ने एंटोनसेन के खिलाफ सटीक खेल दिखाया जबकि डेनमार्क के खिलाड़ी का अपने शॉट पर नियंत्रण नहीं था।

वित्तीय वर्ष के शेष दिवसों में अधिकतम प्रकरणों का करें निराकरण : कलेक्टर

बैंकर्स एवं विभागीय अधिकारियों की बैठक में दिए गए निर्देश

पन्ना। समस्त बैंकर्स विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर वर्तमान वित्तीय वर्ष के अंतिम 10 दिवसों में हितग्राहीमूलक योजनाओं में अधिकतम प्रकरणों के वितरण व निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। आगामी वित्तीय वर्ष के लिए कार्ययोजना भी निर्धारित कर लें। एनपीए एवं सीडी रेशियो में सुधार सहित बैंक स्तर पर बकाया राशि की वसूली कार्यवाही पर भी अनिवार्य रूप से ध्यान दें। कलेक्टर सुरेश कुमार ने उक्ताशय के निर्देश गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई बैंकर्स एवं विभागीय अधिकारियों की बैठक में दिए। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में संपन्न हुई डीएलसीसी एवं डीएलआरसी की त्रैमासिक बैठक में विभागवार स्वरोजगारमूलक प्रकरणों की स्वीकृति एवं निराकरण पर चर्चा की गई। साथ ही गत बैठक की कार्ययोजना का अनुमोदन भी किया गया। बैंकवार एक्शन प्लान तैयार कर समय-सीमा में प्रगति लाने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री कुमार ने बैठक में कहा कि बकायादारों से वसूली के लिए अभियान चलाया जाए। राजस्व अधिकारियों एवं पुलिस के सहयोग से शिविर के माध्यम से वसूली शुरू कराने के पूर्व आरआरसी दर्ज करने के लिए बड़े डिफाल्टर को चिन्हित कर बैंकवार सूची प्रस्तुत करें। बैठक में विभागवार योजनाओं में प्रगति की समीक्षा सहित जिले के वार्षिक क्रेडिट प्लान एवं प्राथमिकता व गैर प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में कार्ययोजना एवं लक्ष्य मुताबिक आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। बैंक स्तर पर लंबित प्रकरणों का परीक्षण कर अविलंब प्रकरण निराकृत करने के लिए कहा। इसी तरह राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत महिला स्वसहायता समूह के लंबित प्रकरणों के तत्काल निराकरण के लिए समूह अध्यक्ष व सचिव की बैंक में उपस्थिति दर्ज कराने तथा वांछित प्रक्रिया पूर्ण करने और अंत्यावसायी समिति के माध्यम से गरीब परिवार के व्यक्तियों को लाभांवित करने के लिए संचालित तीन योजनाओं में बैंकर्स को विभाग से ब्याज के लिए ऑनलाइन डिमाण्ड करने के निर्देश दिए गए। उद्यानिकी, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन विभाग सहित अन्य विभाग के जिला अधिकारियों को अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों के माध्यम से प्रकरण तैयार कराने तथा भारतीय स्टेट बैंक के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षणार्थियों को भी स्वरोजगारमूलक योजनाओं का आसानी से लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने समस्त बैंकर्स को सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के संबंध में निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायतकर्ता से संवाद कर संवेदनशीलता के साथ शिकायतों का निराकरण किया जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी एवं लीड बैंक अधिकारी शमा बानो सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल का किया निरीक्षण

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने बुधवार को जिले के पवई, शाहनगर, गुनौर एवं ककरहटी पहुंचकर निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण किया और निर्माण एजेंसी पीडब्ल्यूडी भवन के अधिकारियों से निर्माण कार्यों के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने शासन की गाइडलाइन अनुरूप समस्त मूलभूत व्यवस्थाओं व सुविधाओं के संबंध में भी निर्देशित किया। इस दौरान परिसर का अवलोकन कर कार्यों की गुणवत्ता भी देखी तथा समयावधि में निर्माण कार्य पूर्ण कराने के लिए कहा।

कलेक्टर श्री कुमार ने गुनौर में लोक निर्माण विभाग की सकरिया-डिघौरा सड़क का भी अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न स्थानों से अवैध अतिक्रमण हटाने के संबंध में भी जरूरी निर्देश दिए। संबंधित क्षेत्र में अन्य विकास कार्यों की जानकारी लेकर कार्यों की सतत मॉनिटरिंग के लिए निर्देशित किया गया। इस दौरान संबंधित एसडीएम, तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पांच अप्रैल से प्रारंभ होगा कुआंताल मेला

पन्ना। पवई विकासखण्ड की ग्राम पंचायत बनौली स्थित मां कंकाली मंदिर परिसर में इस वर्ष कुआंताल मेला आगामी 5 अप्रैल से लगेगा। जनपद पंचायत कार्यालय एवं मेला प्रशासन द्वारा आगामी 17 अप्रैल तक संचालित होने वाले कुआंताल मेला में दुकानदारों को निर्धारित शर्तों का पालन करने के निर्देश जारी किए गए हैं, जिसके तहत समस्त दुकानदारों को दुकान में टीन शेड का उपयोग करना आवश्यक होगा। इसमें भोजन व्यवस्था टीन शेड के अंदर ही रहेगी। इसके अलावा अग्निशामक यंत्र, दुकान के बाजू से डस्टबिन तथा कचरा वाहन आने के लिए दुकान के सामने पर्याप्त स्थान रखना भी अनिवार्य है। समस्त दुकानदारों के लिए निर्धारित शुल्क जमा कर दुकान लगाने, मेला प्रशासन द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्रों के माध्यम से दिए निर्देशों का पालन करना तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना भी जरूरी किया गया है। इसके अलावा दुकानदारों को मेला कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा कर विद्युत बल्ब एवं एलईडी कनेक्शन की अनुमति प्राप्त करना होगा।

जिला कलेक्टर ने किया निरीक्षण

कलेक्टर सुरेश कुमार ने चैत्र नवरात्र पर कुआंताल मेला आयोजन के दृष्टिगत गत बुधवार को मां कलेही मंदिर परिसर का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही मेला आयोजन के दृष्टिगत सभी आवश्यक प्रबंध के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। जिला कलेक्टर द्वारा पवई में निर्माणाधीन बायपास रोड का निरीक्षण भी किया गया।

विश्व गौरेया दिवस पर प्रधान जिला न्यायाधीश ने पक्षियों के लिए लगाए सकोरे

पन्ना। गुरूवार को विश्व गौरेया दिवस के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर पन्ना में पक्षियों के लिए पानी के सकोरे लगाए गए। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष राजाराम भारतीय की अध्यक्षता में एवं सचिव राजकुमार गौंड़ की उपस्थिति में न्यायालय परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश ने पक्षियों के लिए सकोरे लगवाए। उन्होंने इस मौके पर कहा कि गौरेया एवं अन्य पक्षी हमारे पर्यावरण का अभिन्न हिस्सा हैं। इनकी संख्या में कमी चिंतनीय है। ग्रीष्मकाल में जल स्त्रोतों की कमी से प्यासे पक्षियों के लिए इस तरह के छोटे प्रयास उनकी प्यास बुझाने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक होंगे। हम सभी की यह जिम्मेदारी भी है कि अपने घरों, छतों, कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि मोबाइल का अधिक उपयोग एवं रेडिएशन भी पक्षियों के जीवन को नुकसान पहुंचा रहा है। कार्यक्रम में समस्त न्यायाधीश, अधिवक्ता एवं कर्मचारीगण तथा पक्षकारों से पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता एवं पक्षियों के संरक्षण में भागीदारी निभाने के साथ सार्वजनिक स्थानों एवं घरों में पक्षियों के लिए सकोरे लगाने के लिए प्रेरित करने की अपील भी की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने कहा कि प्रकृति और जीव संरक्षण के लिए हरसंभव प्रयास करना हम सभी का नैतिक कर्त्तव्य है। गर्मी के मौसम में सकोरे स्थापित करने के प्रयास से नन्हें जीवों की जीवन रक्षा होगी। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश जयशंकर श्रीवास्तव, प्रधान न्यायाधीश रूपेश शर्मा, जिला न्यायाधीश अरविन्द शर्मा एवं सुरेन्द्र मेश्राम, न्यायिक मजिस्ट्रेट इकरा मिनिहाज, प्रीतम शाह, श्वेता आर्य, तनिष्का वैष्णव, जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते, लीगल एड डिफेंस काउंसिल चीफ आनंद त्रिपाठी भी उपस्थित रहे।

संभागायुक्त ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के अपूर्ण निराकरण पर जनपद पंचायत सीईओ एवं प्रभारी सीईओ की वेतनवृद्धि रोकी

पन्ना। संभाग आयुक्त डॉ. वीरेन्द्र सिंह रावत ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का अपूर्ण निराकरण एवं शिकायतें लंबित रहने पर कलेक्टर सुरेश कुमार द्वारा प्रेषित प्रस्ताव के उपरांत पन्ना जिले की तीन जनपद पंचायत गुनौर, पवई और शाहनगर के सीईओ एवं प्रभारी सीईओ की एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने की कार्रवाई की है।

कमिश्नर कार्यालय से जारी आदेश अनुसार अखलेश कुमार उपाध्याय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पवई की एल 1 अधिकारी स्तर पर कुल शिकायतें 232 लंबित हैं, जिनमें 100 दिवस से अधिक की लंबित शिकायतें (पंचायतीराज, श्रम, सामाजिक न्याय, सूचना प्रौद्योगिकी समग्र) विभाग अंतर्गत विषय की 26 हैं तथा माह दिसम्बर 2024 में प्राप्त लंबित शिकायतें 282 हैं। संबंधित के द्वारा शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण नहीं किया गया है, जिससे माह दिसम्बर 2024 में इनका ग्रेडिंग वेटेज स्कोर 76.76 प्रतिशत के साथ रेटिंग बी है। इसी तरह धीरज चौधरी, प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गुनौर की एल 1 अधिकारी स्तर पर कुल शिकायतें 223 लंबित हैं, जिनमें 100 दिवस से अधिक की लंबित शिकायतें (पंचायतीराज, श्रम, सामाजिक न्याय, सूचना प्रौद्योगिकी समग्र) विभाग अंतर्गत विषय की 31 हैं तथा माह दिसम्बर 2024 में प्राप्त लंबित शिकायतें 253 हैं। संबंधित के द्वारा शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण नहीं किया गया है, जिससे माह दिसम्बर 2024 में इनका ग्रेडिंग वेटेज स्कोर 77.22 प्रतिशत के साथ रेटिंग बी है, जबकि रोहित मालवीय प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत शाहनगर की एल 1 अधिकारी स्तर पर कुल शिकायतें 271 लंबित हैं, जिनमें 100 दिवस से अधिक की लंबित शिकायतें (पंचायतीराज, श्रम, सामाजिक न्याय, सूचना प्रौद्योगिकी समग्र) विभाग अंतर्गत विषय की 32 हैं तथा माह दिसम्बर 2024 में प्राप्त लंबित शिकायतें 270 हैं। संबंधित के द्वारा शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण नहीं किया गया है, जिससे माह दिसम्बर 2024 में इनका ग्रेडिंग वेटेज स्कोर निरंक के साथ रेटिंग सी है।

उक्त संबंध में तीनों अधिकारियों से जवाब चाहा गया था। प्राप्त जबाव के अवलोकन एवं परिशीलन उपरांत पाया गया कि जिला स्तर से प्रत्येक सप्ताह समय सीमा बैठकों तथा दूरभाष एवं पत्रों के माध्यम से सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों के निराकरण के निर्देश जारी किए जाने के उपरांत भी तीनों अधिकारियों के द्वारा एल 1 अधिकारी स्तर पर अधिक मात्रा में शिकायतें लंबित रखी गई एवं 100 दिवस से अधिक दिनों की लंबित शिकायतों की संख्या भी अधिक है। साथ ही उक्त अधिकारियों द्वारा माह दिसम्बर 2024 में प्राप्त शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण नहीं किया गया, जिससे माह दिसम्बर 2024 में उनकी रेटिंग में गिरावट आई है। जबाव समाधानकारक नहीं पाए जाने के आधार पर संभाग आयुक्त डॉ. रावत ने शासन की अतिमहत्वपूर्ण योजना सीएम हेल्पलाइन के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर तीनों अधिकारियों की आगामी एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी है।

प्रारंभिक शिक्षा के लिए आंगनवाडी को करें और सशक्त : संभागायुक्त

महिला एवं बाल विकास विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक संपन्न

पन्ना। आगामी 31 मार्च तक लक्ष्य पूरा न करने वाले अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कुपोषित बच्चों को पोषित करने के लिए पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती करवाया जाए। साथ ही प्रारंभिक शिक्षा के लिए आंगनवाडी केंद्रों को और सशक्त बनाएं। उक्त निर्देश संभाग आयुक्त डॉ. वीरेन्द्र सिंह रावत ने गत दिवस सागर में महिला एवं बाल विकास विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक में दिए। इस अवसर पर संयुक्त संचालक बी.एल. प्रजापति सहित समस्त जिलों के जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं परियोजना अधिकारी भी मौजूद थे।

संभाग कमिश्नर डॉ. रावत ने कहा कि विभाग के द्वारा दिए गए लक्ष्य को 31 मार्च तक जो भी अधिकारी कर्मचारी पूरा नहीं करेगा, उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और लक्ष्य से कम प्रगति होने पर बर्खास्तगी की कार्रवाई भी होगी। उन्होंने कहा कि सभी कुपोषित बच्चों को चिन्हित किया जाए एवं उनको तत्काल पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराकर पोषण युक्त भोजन उपलब्ध कराएं और उनकी देखरेख करें। उन्होंने कहा कि आधार सत्यापित हितग्राहियों में फेस कैप्चर एवं ई-केवाईसी की स्थिति की जानकारी लेकर उनको पूरा कराएं। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर वितरित होने वाला नाश्ता एवं भोजन को पोषण युक्त बनाएं एवं दोनों के वितरण के समय में समय का निर्धारण किया जाए। साथ ही नाश्ता एवं भोजन गर्म रहे, यह भी सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि जन्म से 5 वर्ष की आयु के बच्चों में कम वजन एवं दुबलापन दिखने वाले बच्चों को चिन्हित करें और उनका इलाज प्रारंभ करें। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत लंबित सभी प्रकरणों का निराकरण तत्काल किया जाए। इसी प्रकार जहां-जहां आंगनबाड़ी केंद्र भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, उनका कार्य प्रारंभ करें और जहां स्थिति विवादग्रस्त है, इसकी सूचना तत्काल कलेक्टर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को लिखित में दें। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी आंगनबाड़ी भवन जर्जर नहीं होना चाहिए और सभी आंगनबाड़ी भवन को छोटे-छोटे बच्चों की हिसाब से सुसज्जित किया जाए।

संभाग कमिश्नर ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में मुनगा के पौधे लगाएं एवं पोषण वाटिका का निर्माण करें। इसी के साथ रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण भी कराएं। उन्होंने निरंतर आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही केंद्र बंद पाए जाने या अनियमितताएं मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत वर्ष 2024-25 में प्राप्त आवंटन एवं व्यय तथा लाड़ली लक्ष्मी योजना की प्रगति एवं छात्रवृत्ति भुगतान की समीक्षा भी की। कमिश्नर ने संभागीय समीक्षा बैठक में 50 एवं अधिक समयावधि की सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

एमपी में ढाई साल की बच्ची से 35 वर्ष के युवक ने किया दुष्कर्म

सतना। हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने ढाई साल की बच्ची को अपनी हवस का शिकार बनाया है। इस घटना के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और पूछताछ कर रही है। वहीं अब इसे लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म मामले में कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी नें मुख्यमंत्री मोहन यादव पर निशाना साधा।

जीतू पटवारी नें एक्स पर लिखा कि, 'अब सतना में भी ढाई साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म का दिल दहलाने वाला मामला। मुख्यमंत्री मोहन यादव आप कब समझेंगे कि भाजपा के 'सबसे असफल सीएम के रूप में आपकी नाकामी की कीमत प्रदेश की बेकसूर मासूम चुका रही हैं? लाड़लियों का जीना दुश्वार करने वाली ऐसी शर्मनाक घटनाएं कब थमेगीं?' ये पूरा मामला सतना के कोलगवां थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार को एक युवक ने ढाई साल की बालिका से दुष्कर्म कर दिया।

सोने-चांदी की कीमतों ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

सतना। सोने चांदी की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। पहली बार चांदी का भाव 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के पार चला गया है, वहीं सोने ने 90 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है। पिछले एक सप्ताह में चांदी में 3 हजार रुपये प्रति किलोग्राम और सोने में 1500 रुपए प्रति 10 ग्राम की तेजी आई है। बढ़ती कीमतों के कारण ज्वेलरी बाजार में हलचल मच गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय तनाव सोने-चांदी की कीमतों में तेजी का कारण है।

सोना और चांदी के भाव में एक साल के भीतर 25-25 हजार रुपए की महंगाई दर्ज की गई है। बीते वर्ष मार्च 2024 में फाइन सोना 66 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो अब 91 हजार रुपए पर पहुंच गया है। इसी तरह फाइन चांदी की कीमत 75 हजार रुपए से बढ़कर 1 लाख 1 हजार रुपए हो गई है। मार्च 2024 में सोना जेवर 59 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम था, जबकि अब यह 84 हजार रुपए पर पहुंच चुका है। वहीं चांदी जेवर की कीमत पिछले साल 700 रुपये प्रति 10 ग्राम थी, जो अब बढ़कर 950 रुपए हो गई है।

अमेरिका के दखल के कारण सोना-चांदी के रेट में वृद्धि हो रही है। अभी ऐसे आसार भी नहीं दिख रहे कि भाव में गिरावट होगी। जब दाम बढ़ेगे, तो बिल्कुल इसका असर व्यापार भी पड़ता है।

- अभिषेक जैन, महावीर ज्वेलर्स

अमेरिकी नीति के चलते सराफा बाजार में उथल पुथल हो रही है। शेयर मार्केट भी प्रभावित है। सराफा में तेजी के कारण बाजार में ग्राहक भी नहीं है। शादी-विवाह का सीजन शुरू होने वाला है। अगर रेट घटेंगे तो बाजार में रौनक भी बढ़ेगी।

रविशंकर गौरी, गौरी ज्वेलर्स

जब तक वैश्विक शांति नहीं होगी, तब तक सोना-चांदी के भाव में वृद्धि नहीं रुकेगी। इसके भाव इसी तरह निरंतर ही बढ़ेगे। जिन्हें सोना-चांदी की जरूरत है वह खरीद रहे हैं लेकिन महंगाई के कारण थोड़ा कम ले रहे हैं।-

राजदीप अग्रवाल, मामा भांजा ज्वेलर्स

पोषण भी पढ़ाई भी, कार्यक्रम अंतर्गत प्रशिक्षण का आयोजन

पन्ना

कलेक्टर सुरेश कुमार के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत 20 से 26 मार्च तक परियोजना स्तर पर प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में आज परियोजना पन्ना ग्रामीण अंतर्गत जनपद पंचायत पन्ना के सभाकक्ष में प्रशिक्षण हुआ। सक्षम आंगनवाड़ी एवं मिशन पोषण 2 के इस कार्यक्रम में क्षमता संवर्धन के माध्यम से आंगनवाडी कार्यकर्ताओं में ईसीसीई पाठ्यक्रम और शैक्षणिक दृष्टिकोण की बुनियादी समझ विकसित करने के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विकास के आयामों जैसे शारीरिक और मोटर, संज्ञानात्मक, सामाजिक, भावनात्मक व नैतिक, सांस्कृतिक एवं कलात्मक और बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता के मूल्यांकन में क्षमता वृद्धि कर सक्षम बनाना है।

भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्रालय द्वारा 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिये ईसीसीई हेतु नेशनल करीकुलम 2024 (आधारशिला) एवं 0 से 3 वर्ष के बच्चों के लिये प्रारंभिक बाल्यावस्था उद्दीपन के लिए नेशनल फ्रेमवर्क (नवचेतना) तैयार किये गये हैं। पोषण भी पढाई भी अंतर्गत आधारशिला एवं नवचेतना को आंगनवाड़ी केन्द्र में क्रियान्वित करने के संबंध में परियोजना पन्ना ग्रामीण की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया। जिसमें प्रशिक्षण सत्र पूर्व गतिविधियों में पंजीकरण किट वितरण, सभी प्रतिभागियों के लिये पूर्व प्रशिक्षण मूल्यांकन एवं बुनियादी नियम गतिविधियां आयोजित की गई। प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में पोषण भी पढ़ाई भी आधारशिला और नवचेतना का परिचय, द्वितीय सत्र में आधारशिला 03-06 वर्ष के बच्चों के लिये विकासात्मक क्षेत्र, तृतीय सत्र में प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र में ईसीसीई के लिये खेल-आधारित गतिविधियां तथा चतुर्थ सत्र में ईसीसीई के लिये साप्ताहिक खेल-आधारित कैलेण्डर आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में ऊदल सिंह ठाकुर, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम अंतर्गत प्रशिक्षण की रूपरेखा एवं प्रशिक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर अशोक कुमार विश्वकर्मा परियोजना अधिकारी, आकाश शर्मा जिला समन्वयक पोषण अभियान, बीरम सिंह तथा समस्त सेक्टर पर्यवेक्षक बाल विकास परियोजना पन्ना ग्रामीण उपस्थित रहीं।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर

सीधी, शनिवार 22 मार्च 2025

शहर को सुव्यवस्थित बनाने एवं यातायात आवागवन सुगम करने के उद्देश से निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा लगातार अतिक्रमण हटाने की सख्त कार्यवाही की जा रही है।

कलेक्टर ने जल निगम के कार्यों की समीक्षा की

रीवा

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जिले में जल निगम के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में कँदैला ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिये कि अंतिम घर तक पानी पहुंचे तथा लोगों के घरों में अंदर नल का कनेक्शन हो। उन्होंने अनाधिकृत कनेक्शन करने वालों के विरूद्ध पुलिस में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश भी दिये। उल्लेखनीय है कि कँदैला परियोजनान्तर्गत 109 ग्रामों में हर घर जल प्रदाय किया जा रहा है जिसमें गंगेव के 21, रायपुर कर्चुलियान के 50, रीवा के 7 तथा सिरमौर के 31 ग्राम शामिल है।

रीवा बाणसागर समूह जल प्रदाय योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 1613 ग्रामों के हर घर में जल प्रदाय की योजना में इंटेकवेल निर्माण पाइपलाईन बिछाने तथा टंकी निर्माण सहित 74 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। कलेक्टर ने कार्य को गति देने तथा वाट्सअप ग्रुप बनाकर कार्य की अद्यतन प्रगति की जानकारी शेयर करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि समय सीमा में सभी अधोसंरचना निर्माण के कार्य पूर्ण करें। टमस ग्रामीण जल प्रदाय योजना के तहत 675 ग्रामों के घर-घर जल प्रदाय योजना में 65 प्रतिशत प्रगति पर कलेक्टर ने असंतोष व्यक्त किया तथा निर्देश दिये कि कार्यों में अधिक तत्परता से गति देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अधिक संख्या में श्रमिक लगाकर कार्य को तेजी से पूर्ण करायें तथा पूरी क्षमता से कार्य में प्रगति लायें। बैठक में जल निगम के महाप्रबंधक चित्रांशु उपाध्याय ने परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति की जानकारी दी। इस दौरान जल निगम के अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शहर के 50 युवाओं को दिया गया डेंगू मलेरिया उन्मूलन का प्रशिक्षण

रीवा। संचारी रोगों से बचाव के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मलेरिया और डेंगू के बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ-साथ रीवा शहर में मलेरिया और डेंगू रोधी दस्ता गठित किया गया है। इसमें शामिल 50 युवाओं को डेंगू और मलेरिया के नियंत्रण तथा उन्मूलन का दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। युवाओं को जिला मलेरिया कार्यालय की ओर से शाखा द्विवेदी तथा दिवाकर मिश्रा द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। युवाओं को एम्बेड परियोजना की क्षेत्रीय समन्वयक कंचन सिंह तथा मास्टर ट्रेनर दिव्यांश पाण्डेय द्वारा भी प्रशिक्षण दिया गया।

अज्ञात वाहन से दुर्घटना में मौत होने पर आश्रित को मिलेंगे दो लाख रुपए

रीवा

जिले में विभिन्न कारणों से बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। इन दुर्घटनाओं में कई व्यक्ति अपनी जान गवां देते हैं। गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों का भी जीवन कठिन हो जाता है। अब तक अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर मृतक के आश्रितों को सोलेशियम फण्ड से 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती थी। इसके स्थान पर हिट एण्ड रन मोटरयान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना 2022 लागू की गई है। इस योजना से अज्ञात वाहन से दुर्घटना में मौत होने पर मृतक के आश्रितों को दो लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। गंभीर रूप से घायल होने पर 50 हजार रुपए की सहायता राशि का प्रावधान है। योजना की मानीटरिंग के लिए जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। इसमें पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को सदस्य बनाया गया है।

कलेक्टर इस समिति में एक स्वयंसेवी सदस्य को नामांकित करेंगे। बीमा कंपनी के अधिकारी को समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है। अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर पीड़ित व्यक्ति तहसीलदार अथवा एसडीएम को निर्धारित प्रपत्र में सहायता राशि के लिए आवेदन प्रस्तुत करेंगे। आवेदन पत्र के साथ दावाकर्ता के बैंक खाते की छायाप्रति, अस्पताल में उपचार कराने के बिल, घायल अथवा मृतक की पहचान तथा पता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करना आवश्यक है। इसके साथ-साथ पुलिस में दर्ज एफआईआर की प्रति, दावा करने वाले की पहचान सुनिश्चित करने के लिए प्रमाण पत्र, मौत की स्थिति में पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं मृत्यु प्रमाण पत्र एवं गंभीर चोट होने पर एमएलसी रिपोर्ट देना आवश्यक होगा। इसका आवेदन करने पर संबंधित जाँच दावा अधिकारी तहसीलदार अथवा एसडीएम 30 दिवस में अपनी जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर इस रिपोर्ट पर 15 दिवस में आवश्यक कार्यवाही कर पीड़ित को सहायता राशि का भुगतान कराएंगे तथा परिवहन आयुक्त को रिपोर्ट प्रेषित करेंगे।

नेत्रहीन विद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

रीवा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन में एवं न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में श्री यमुना प्रसाद शास्त्री नेत्रहीन विद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दिव्यांग बालक-बालिकाओं को दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 एवं दिव्यांगों हेतु नालसा सालसा के योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सचिव द्वारा दिव्यांग बालक-बालिकाओं से संवाद कर उनसे आवासीय दिव्यांग विद्यालय में सुविधाओं की उपलब्धता के विषय में जानकारी ली गई। उन्होंने नेत्रहीन आवासीय विद्यालय एवं मूक बधिर आवासीय विद्यालय का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अभय कुमार मिश्रा ने नि:शुल्क विधिक सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। लीगल एड. असिस्टेंट अनीश पाण्डेय ने मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्य के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर दिव्यांग आवासीय विद्यालय के प्राचार्य उदय प्रकाश मिश्रा, रामउदय तिवारी, शंकर प्रसाद मिश्रा, दिव्यांग छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहीं।

विद्युत कर्मियों की सजगता से बची विद्युत लाइन-क्षतिग्रस्त लाइन में सुधार कर निर्बाध की बिजली आपूर्ति

रीवा

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) की 132 के.व्ही. रीवा (जेपी - अल्ट्राटेक) बघवार लाइन के छुहिया घाटी स्थित टावरों से चोरी हुये पार्ट्स (एंगल) का एम.पी. ट्रांसको की ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स टीम ने समय पर पता लगा लिया। टीम की इस सजगता और सतर्कता के कारण समय रहते क्षेत्र में लंबे विद्युत व्यवधान के साथ घने जंगल में भीषण आग लगने की आशंका को टाला जा सका। यह लाइन न केवल सीमेंट प्लांट को विद्युत आपूर्ति करती है, बल्कि इससे सिल्परा 220 के.व्ही. सबस्टेशन रीवा को भी विद्युत मिलती है।

उल्लेखनीय है कि विगत कई माह से इस लाइन के टावर पार्ट्स की चोरी हो रही थी। जिसके कारण उक्त लाइन के क्षतिग्रस्त होने की नौबत आ गई थी, यदि समय पर इन चोरी किये गये टावरों के पार्ट्स के स्थान पर नये पार्ट्स नही लगाये गये होते तो बघवार, पिपरावँ, सरदा, मलगाँव, पटना, धौरहरा क्षेत्र के अनेक गांव के निवासियों को महीनों बिना बिजली के रहना पड़ सकता था। साथ ही घने जंगलों से गुजरने वाली यह लाइन क्षतिग्रस्त होने पर वृक्षों पर गिरती तो न केवल जंगल में आग लगने का निश्चित खतरा रहता बल्कि इससे बड़े क्षेत्र में जनधन हानि की आंशका पैदा हो जाती। चूंकि इस लाइन के नीचे से अनेक 33 एवं 11 के.व्ही. की लाइने भी गुजरती है जिसके कारण यह लाइनें भी क्षतिग्रस्त होती, जिससे बडे इलाके में लंबे समय तक विद्युत व्यवधान हो सकता था। ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स की टीम द्वारा उक्त लाइन की लगातार रात्रिकालीन पेट्रोलिंग कराई गई, साथ ही घाटी के आसपास के क्षेत्र में टावर पार्ट्स की तलाशी भी की गई। एम.पी. ट्रांसको के कार्मिकों द्वारा लाइन पेट्रोलिंग एवं निरीक्षण के दौरान कुछ टावर पार्ट्स स्थानीय कबाड़ की दुकानों में पाये गये जिसकी सूचना तत्काल चौकी प्रभारी, पुलिस चौकी पिपरावँ जिला सीधी को दी गई एवं पुलिस टीम के साथ जाकर कई स्थानों से टावर पार्ट्स बरामद किये गये। इसी तरह 132 के.व्ही. रीवा-(जेपी -अल्ट्राटेक) बघवार लाइन से चोरी कर घरों एवं दुकानों में लगाये गये दो दर्जन से अधिक टावर पार्ट्स को भी पुलिस एवं लाइन स्टाफ की मदद से निकलवाया गया। अभियंतागण श्री अमित कुमार एवं श्री अजय कुमार चौरसिया द्वारा पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं जिला प्रशासन के सहयोग से प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

नगर निगम का शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का अथक प्रयास

रीवा। रीवा शहर को स्वच्छ, सुंदर और हरा-भरा बनाने के लिए नगर निगम द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लक्ष्य के साथ, निगम शहर में व्यापक स्तर पर सफाई और सौंदर्यीकरण का कार्य कर रहा है। नगर निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के नेतृत्व में शहर को स्वच्छ और पर्यावरण - अनुकूल बनाने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका सकारात्मक असर अब शहर की सड़कों, चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर साफ दिखाई दे रहा है। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, घाटों, उद्यानों और डिवाइडरों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। साथ ही, ''कबाड़ से कमाल'' थीम पर अनूठी कलाकृतियां स्थापित की जा रही हैं, जो न केवल स्वच्छता का संदेश दे रही हैं बल्कि कला और नवाचार का शानदार उदाहरण भी पेश कर रही हैं । प्रमुख चौराहों पर सजावटी पौधों और फूलों से सौंदर्यीकरण - शहर के गुढ़ चौराहा, एसएएफ चौराहा, कॉलेज चौराहा और जयस्तंभ चौराहा को सजावटी पौधों और फूलों से संवारा जा रहा है। इसके अलावा, राजकपूर ऑडिटोरियम और झिरिया नाला में वर्टिकल गार्डन के माध्यम से हरियाली को बढ़ावा दिया जा रहा है। डिवाइडरों में भी घास और सजावटी पौधों को लगाकर उन्हें नया स्वरूप दिया जा रहा है, जिससे शहर अधिक हरा-भरा और सुंदर दिखे। कबाड़ से कमाल कला,स्वच्छता और पुनर्चक्रण का संगम - शहर में ''कबाड़ से जुगाड़'' की थीम पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत कबाड़ से बनी अनूठी कलाकृतियां लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही हैं। इन कलाकृतियों में प्रमुख रूप से अटल पार्क में मुर्गे की कलाकृति वृंदावन गार्डन में महिला सफाई मित्र की प्रतिमा, मृगनयनी के पास पुरुष सफाई मित्र की कलाकृति, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में ओलंपिक विजेता नीरज चोपड़ा एवं मीराबाई चानू की कलाकृति ये कलाकृतियां न केवल शहर की शोभा बढ़ा रही हैं बल्कि स्वच्छता और पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) के महत्व को भी दर्शा रही हैं।

मऊगंज मुख्यालय में सप्ताह में दो दिन रहेगा मेडिकल बोर्ड

रीवा। मऊगंज जिले के नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिला मुख्यालय में सप्ताह में दो दिन मेडिकल बोर्ड बैठेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शुक्ला ने बताया कि प्रथम गुरूवार व तृतीय गुरूवार को प्रातः 10.30 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक मेडिकल बोर्ड में नियुक्त डाक्टर्स सिविल अस्पताल मऊगंज में उपस्थित रहकर आम नागरिकों की बोर्ड से संबंधित कार्यवाही पूर्ण करेंगे।

अनुसूचित जाति के चार उम्मीदवारों को प्रोत्साहन राशि मंजूर

अनुसूचित जाति के चार उम्मीदवारों को मिलेगी 80 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि

रीवा। शासन द्वारा अनुसूचित जाति और जनजाति के उम्मीदवारों के प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने पर उन्हें प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। इस संबंध में जिला संयोजक अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग कमलेश्वर सिंह ने बताया कि नीट परीक्षा में सफल होने पर दो उम्मीदवारों को 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। ज्योति साकेत निवासी ग्राम उमरी जिला रीवा को बुंदेलखण्ड मेडिकल कालेज सागर में प्रवेश लेने पर 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई है। नागेन्द्र साकेत निवासी ग्राम पड़री के मेडिकल कालेज सतना में प्रवेश लेने पर 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई है। इसी तरह मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में दूसरी बार सफलता प्राप्त करने पर सुनील कुमार ग्राम दुआरी तहसील त्योंथर को 10 हजार रुपए तथा विपिन कुमार दीपांकर ग्राम बड़ागांव तहसील सेमरिया को पहली बार सफलता प्राप्त करने पर 20 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई है। लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा तथा साक्षात्कार में सफल होने पर भी पृथक से प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

मोडिफाइड साइलेंसर और हूटर वाली गाड़ियों पर सख्ती, पुलिस ने 105 साइलेंसर पर चलवाया रोड रोलर

रीवा। रीवा तेज आवाज करने वाले मोडिफाइड साइलेंसर और हूटर लगी गाड़ियों के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी है। अभियान के तहत यातायात पुलिस ने 105 जब्त किए गए मोडिफाइड साइलेंसर पर रोड लोर चलाकर उन्हें नष्ट कर दिया। यह सभी साइलेंसर पिछले एक माह में की गई चालानी कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए थे। यातायात थाना प्रभारी अनीमा शर्मा ने बताया कि समय-समय पर इस तरह की कार्रवाई की है। इससे पहले भी पुलिस ने कई बार बड़ी संख्या में मोडिफाइड साइलेंसर नष्ट किए थे। इस अभियान का उद्देश्य शहर में ध्वनि प्रदूषण को कम करना और लोगों को राहत देना है। मोडिफाइड साइलेंसर लगे दोपहिया वाहन तेज

पटाखे जैसी आवाज निकालते हैं, जिससे आम लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। खासकर हार्ट पेशेंट, बुजुर्गों और छोटे बच्चों पर इसका बुरा असर पड़ता है। कई बार ऐसे तेज शोर से सड़क दुर्घटनाएं भी होती हैं। इन खतरों को देखते हुए प्रशासन ने इन पर सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। कई युवा अपने वाहनों को मॉडिफाई कराकर साइलेंसर बदलवा लेते हैं, जिससे उनकी गाड़ियों से तेज आवाज आती है। हालांकि, मोटर व्हीकल एक्ट के तहत ऐसे साइलेंसर पूरी तरह प्रतिबंधित हैं फिर भी कुछ लोग नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। पुलिस लगातार ऐसे वाहनों को चिह्नित कर कार्रवाई कर रही है।

पुलिस अब ऐसे दुकानदारों और मैकेनिकों की भी पहचान कर रही है, जो अवैध रूप से इन साइलेंसरों को बेच रहे हैं या वाहनों में लगा रहे हैं। आने वाले समय में इनके खिलाफ भी सख्त कदम उठाए जाएंगे। यातायात पुलिस ने साफ किया है कि इस तरह की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। जो भी वाहन चालक नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शहर में शांति बनाए रखने और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

अधिभार से बचने करदाताओं के पास अब मात्र 09 दिन शेष : सोनवणे

रीवा। शहर के करदाताओं के पास बकाया करों की राशि 31 मार्च तक जमा कर अधिभार से बचने के लिए अब मात्र 09 दिन शेष बचा है। 09 दिन के उपरांत यानी 1 अप्रैल 2025 से समस्त बकाया करों की राशि दो गुना हो जाएगी । निगमायुक्त डॉ सौरभ सोनवणे के द्वारा लगातार करदाताओं से अपील की जा रही है कि 31 मार्च तक समस्त बकाया करों की राशि जमा कर अधिभार के साथ-साथ अप्रिय कार्यवाही से बचें। उन्होंने बताया कि करदाताओं द्वारा 31 मार्च तक करों की राशि जमा नहीं की जाती है तो शासन के संशोधित नियमों के तहत् 1 अप्रैल से राशि को दो गुना कर दिया जायेगा।

निर्माणाधीन सीएम राईज विद्यालय भवनों का कार्य तत्परता से पूर्ण करायें : कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जिले में निर्माणाधीन सीएम राईज विद्यालय भवनों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि तत्परता पूर्वक कार्य को गति देते हुए समय सीमा में सभी कार्य पूर्ण करें। उन्होंने निर्देशित किया कि संबंधित एसडीएम समन्वय बनाकर आने वाली भूमि संबंधी रूकावटों को दूर करायें।

कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने मनगवां में निर्माणाधीन सीएम राईज भवन की अद्यत स्थिति की जानकारी प्राप्त की। बैठक में बताया गया कि जून 2025 तक कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। त्योंथर में भवन कार्य फिनिशिंग स्तर पर है। कलेक्टर ने रघुराजगढ़ के भवन के पूर्व के डिमार्केशन को यथावत रखने तथा आसपास के अतिक्रमण को हटाकर अवरोध दूर करायें। उन्होंने रायपुर कर्चुलियान भवन के प्रवेश मार्ग के अवरोध को निराकृत कराकर सेमरिया व सिरमौर में विद्यालय भवन कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि सीएम राइज विद्यालय के निर्माण हेतु परिसर में पूर्व के भवनों को परीक्षा उपरांत रिक्त करावायें ताकि वहां नवनिर्मित भवन व अन्य आवश्यक कार्य करायें जा सकें। बैठक में एसडीएम मनगवां पीएस त्रिपाठी, एसडीएम सेमरिया राजेश सिन्हा, एसडीएम त्योंथर संजय जैन, जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता, कार्यपालन यंत्री पीआईयू के.के. तिवारी, सहायक यंत्री संजीव कालरा सहित विभागीय अधिकारी व निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रही।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833